हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 256 बेमेतरा, बुधवार 13 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

नीट-यूजी परीक्षा रद्द .....

सीबीआई करेगी पेपर लीक की जांच,इसी महीने हुआ था एग्जाम

नई दिल्ली/ एजेंसी

इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। नीट-यूजी परीक्षा-2026 रद्द हो गई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने पेपर लीक विवाद के कारण नीट-यूजी परीक्षा रद्द कर दी है। पेपर लीक की जांच सीबीआई करेगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसीने कहा है कि नई परीक्षा की तारीख जल्द घोषित की जाएगी। दावा किया जा रहा था कि एग्जाम के 125 सवाल हूबहू गेस पेपर से मेल खा रहे थे। इसके बाद एनटीए ने परीक्षा को रद्द कर दिया है। एजेंसी ने जारी बयान में कहा कि 3 मई 2026 को आयोजित हुई नीट यूजी परीक्षा अब दोबारा कराई जाएगी। नई परीक्षा की तारीखें जल्द घोषित की जाएगी एनटीए ने 3 मई को देशभर में नीट यूजी 2026 का आयोजन किया था, जिसमें पूरे देश से 22 लाख से अधिक कैंडिडेट्स नीट यूजी 2026 एग्जाम में शामिल हुए थे। एनटीए ने कहा कि 10 मई 2026 की प्रेस रिलीज के क्रम में यह फैसला लिया गया है। एजेंसी के मुताबिक, 8 मई को परीक्षा से जुड़े मामलों को स्वतंत्र जांच और जरूरी कार्रवाई के लिए केंद्रीय एजेंसियों को भेजा गया था। इसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से मिले इनपुट और जांच रिपोर्ट की समीक्षा की गई। पेपर लीक होने को लेकर सीबीआई जांच के भी आदेश दिए गए। एजेंसी ने कहा कि एग्जाम सिस्टम में पारदर्शिता बनाए रखने और निष्पक्ष व विश्वसनीय परीक्षा तय करने के लिए यह कदम उठाया

गया है। एनटीए के अनुसार, अब नीट यूजी 2026 परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी। नीट-यूजी परीक्षा-2026 पेपर लीक का मामला राजस्थान के सीकर से आया था। मामले की जांच राजस्थान पुलिस एसओजी कर रही है। एसओजी शुरुआत में मान रही थी कि नीट यूजी पेपर लीक नहीं हुआ थाय़ हालांकि एसओजी ने स्वीकारा था कि नीट यूजी 2026 गेस पेपर एग्जाम से पहले वायरल हुआ था, जिससे सवाल मेन एग्जाम में आए थे। सूत्रों के मुताबिक परीक्षा के प्रश्न पत्र छपने से पहले ही कुछ सवाल एक गैंग तक पहुंच गए थे। बताया जा रहा है कि बायोलॉजी के करीब 90 और केमिस्ट्री के 35 सवाल परीक्षा से पहले ही बाहर आ चुके थे। नीट एग्जाम में हूबहू यही सवाल आए थे। इस तरह कुल 120 सवाल पहले ही बाहर आ चुके थे। जबकि नीट यूजी में कुल 180 सवाल पूछे जाते हैं। एसओजी नेमामले में जयपुर से मनीष नाम के एक व्यक्ति को हिरासत में लिया हैय़ जांच एजेंसी उसे इस पूरे नेटवर्क का मुख्य संचालक मान रही है। उसके मोबाइल, कॉल रिकॉर्ड और संपर्कों की गहराई से जांच की जा रही है। अधिकारियों को आशंका है कि यह नेटवर्क सिर्फ राजस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य राज्यों में भी फैला हुआ हो सकता है।

यह केवल नाकामी नहीं, युवाओं के भविष्य के साथ अपराध-राहुल

नीट यूजी 2026 की परीक्षा रद्द होने पर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि 22 लाख से ज्यादा छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपाई व्यवस्था ने कुचल दिया। राहुल गांधी ने कहा कि किसी पिता ने कर्ज़ लिया, किसी माँ ने गहने बेचे, लाखों बच्चों ने रात-रात भर जागकर पढ़ाई की और बदले में मिला, पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार। राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सिर्फ़ नाकामी नहीं, युवाओं के भविष्य के साथ अपराध है। हर बार पेपर माफ़िया बच निकलते हैं और ईमानदार छात्र सज़ा भुगतते हैं। उन्होंने कहा कि अब लाखों छात्र फ़िर से वही मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता झेलेंगे। अगर अपनी तकदीर परिश्रम से नहीं, पैसे और पहुँच से तय होगा, तो फ़िर शिक्षा का मतलब क्या रह जाएगा?

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में असम और नागालैंड की 2 युवतियों से मारपीट और अभद्रता

नईदिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर पूर्वोत्तर की युवतियों से नस्लीय भेदभाव का मामला सामने आया है। इस बार नेहरू प्लेस इलाके में असम और नागालैंड की युवतियों को निशाना बनाया गया है। घटना रविवार 10 मई की बताई जा रही है। युवतियों ने आरोप लगाया कि सुबह दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के इरोस होटल के पास चाय पीते समय उनके साथ छेड़छाड़ की गई और नस्लवादी टिप्पणियां की गईं। पुलिस ने युवतियों की शिकायत पर 4 युवकों की पहचान की है। पुलिस ने बताया कि रविवार शाम को एक युवती अपनी दोस्त के साथ नेहरू प्लेस में इरोस होटल के पास चाय पीने पहुंची थीं, तभी कुछ युवकों ने उन पर अश्लील और नस्लीय टिप्पणी की। युवतियों के बहस के बाद मामला बढ़ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब दोनों ने मौके से निकलने की कोशिश की तो उन पर युवकों ने बांस की छड़ी से हमला किया और उनके कपड़े फाड़े।

दिल्ली में युवक की बेरहमी से हत्या

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के थाना प्रेम नगर क्षेत्र से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक दोस्त पर अपने ही दोस्त की हत्या का आरोप लगा है. आरोप है कि मृतक को उसके ही दोस्त ने एक महिला मित्र के घर बुलाया और फिर गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया. पुलिस ने मामले में तेजी से कार्रवाई कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. मृतक की पहचान मनीष के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि मनीष अपने घर पर बैठा हुआ था, तभी उसके दोस्त राज का फोन आया. राज ने मनीष को अपनी महिला मित्र के घर बुलाया. मनीष अपने परिजनों को सिर्फ दस मिनट में लौटने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिवार वालों की चिंता बढ़ गई. इसके बाद मनीष के पिता अपने बेटे की तलाश में निकल पड़े, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं मिला. पूरी रात खोजबीन चलती रही. अगले दिन सुबह परिवार पर उस वक्त दुखों का पहाड़ टूट पड़ा जब पुलिस द्वारा सूचना दी गई कि मनीष की गला रेतकर हत्या कर दी गई है।

मनोज कुमार अग्रवाल बने बंगाल के नए मुख्य सचिव

कोलकाता। बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल को राज्य का अगला मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। बता दें कि उन्होंने गत विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मनोज अग्रवाल वेस्ट बंगाल कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के तौर पर उन्हीं की निगरानी में विधानसभा चुनाव संपन्न हुआ था। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया, %मनोज कुमार अग्रवाल को पश्चिम बंगाल का नया मुख्य सचिव बनाया गया है, इस नियुक्ति से पहले वे राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और गृह विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव

उदयनिधि के फिर विवादित बोल

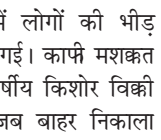

सनातन को खत्म कर देना चाहिए-उदयनिधि स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और डीएमके विधायक उदयनिधि स्टालिन ने एक बार फिर सनातन धर्म को लेकर बड़ा बयान दिया है। विधानसभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सनातन, जिसने लोगों को बांटने का काम किया, उसे खत्म कर देना चाहिए। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में नई बहस छिड़ने की संभावना है। उदयनिधि स्टालिन ने अपने संबोधन में राजनीतिक शिष्टाचार और सहयोग की भी बात की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को उनके नेता समेत कई नेताओं ने शुभकामनाएं दी थीं और यही सौहार्द विधानसभा के भीतर भी

दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष अलग-अलग पंक्तियों में जरूर बैठते हैं, लेकिन तमिलनाडु के विकास के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। विधानसभा में उन्होंने तमिलनाडु राज्य गीत को लेकर भी नाराजगी जताई।

आगरा में बड़ा हादसा

यमुना में डुबकी लगाते छह युवक-युवतियां और किशोर चार की मौत; परिजनों में मचा कोहराम

आगरा। आगरा के बल्केश्वर घाट पर मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। भीषण गर्मी में यमुना में डुबकी लगाने के लिए कूदे छह युवक-युवतियां संग एक किशोर डूब गया। इन सभी को एक साथ डूबते हुए देख घाट पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिया। कड़ी मशक्कत के बाद पांच युवक-युवतियों को यमुना से बाहर निकाल लिया गया। इनमें से हालत गंभीर होने पर तीन को उपचार के लिए एसएन अस्पताल की इमरजेंसी भेजा गया, जहां दो युवक और एक युवती की मौत हो गई। उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए। उनका रो-रोकर हाल बेहाल है। वहीं यमुना में दो घंटे की तलाश के बाद किशोर की भी लाश मिल गई। किशोर के शव को देख परिजनों में चीख पुकार मच गई। डीसीपी सिटी सैय्यद अली

अब्बास ने बताया कि यमुना में नहाने के लिए 19 वर्षीय महक पुत्री कालीचरण, 22 वर्षीय कान्हा पुत्र रिंकू सिंह, 20 वर्षीय अंशु पुत्री कालीचरण निवासी कुंजनपुर, थाना सादाबाद और 17 वर्षीय रिया पुत्री मनोज, 11 वर्षीय विक्की पुत्र राकेश आए थे। डीसीपी ने बताया कि महक , रिया ,कान्हा, काजल, अंशु को यमुना नदी से बाहर निकाल लिया गया है। इन सभी को उपचार के लिए एसएन अस्पताल की इमरजेंसी भेजा गया, जहां उपचार के दौरान कान्हा, महक और रिया की मौत हो गई। वहीं विक्की की लाश भी यमुना से निकाल ली गई। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। काफी मशक्कत के बाद 11 वर्षीय किशोर विक्की के शव को जब बाहर निकाला गया, तो परिजनों में चीख पुकार मच गई।

एनडीए के तीसरे कार्यकाल का भव्य आगाज

हिमंता बिस्वा सरमा दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली....

नई दिल्ली/ एजेंसी

असम में हिमंता बिस्वा सरमा ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए 126 में से 102 सीटों पर कब्जा जमाया था। खास बात यह रही कि असम में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बनी है। हिमंता राज्य के पहले गैर-कांग्रेसी नेता बन गए हैं जिन्होंने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद संभाला। गुवाहाटी में हुए भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री

अमित शाह समेत कई बड़े एनडीए नेता शामिल हुए। सोशल मीडिया पर भी दूसरी बार, हिमंता सरकार और॰ह्यह्यड्डद्ब ह्ल 3.0 तेजी से ट्रेंड करता रहा। चुनाव जीत के बाद हिमंता ने साफ कहा कि पहला कार्यकाल सिर्फ ट्रेलर था, जबकि अब असम में विकास और बड़े फैसलों की पूरी तस्वीर दिखाई जाएगी। गुवाहाटी के खानापारा के एक मैदान में आयोजित भव्य समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें और उनके नए मंत्रिपरिषद को शपथ दिलाई। इसी के साथ राज्य में भारतीय जनता पार्टी के लगातार तीसरे कार्यकाल की आधिकारिक शुरुआत हो गई है। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा की अजंता नियोग, रामेश्वर तेली, अगप प्रमुख अतुल बोरा और बीपीएफ के चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली।

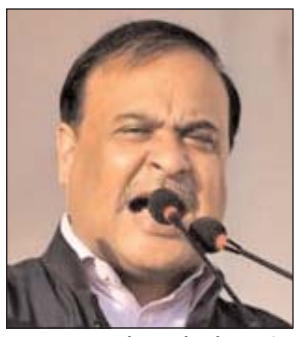

रुद्रप्रयाग में दो हेलीकॉप्टरों की इमरजेंसी लैंडिंग

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ क्षेत्र में अचानक मौसम खराब होने और घना कोहरा छाने एवं धुंध के कारण सोमवार को दो हेलिकॉप्टरों को एहतियातन अगस्त्यमुनि मैदान स्थित हेलिपैड पर आकस्मिक उतारना पड़ा। जानकारी के अनुसार हिमालयन हेली सेवा का एक हेलिकॉप्टर श्री बदरीनाथ से सेरसी की ओर जा रहा था जबकि इंडो कॉप्टर कंपनी का दूसरे हेलिकॉप्टर ने सहस्त्रधारा से फाटा के लिए उड़ान भरी थी। गुप्तकाशी एवं ऊखीमठ क्षेत्र में दृश्यता कम होने के कारण दोनों पायलटों ने यहां सुरक्षित लैंडिंग का निर्णय लिया। हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि केदार घाटी में मौसम खराब होने के कारण दोनों हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई।

योगी के नक्शे कदम पर चल पड़े सीएम सुवेंदु

बंगाल में लाउडस्पीकर और सड़कों पर नमाज-पूजा बैन

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के नौवें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद सुवेंदु अधिकारी अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। सोमवार को नबन्ना में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के साथ अपनी पहली औपचारिक बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं। अधिकारी के इन शुरुआती फैसलों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मॉडल से जोड़कर देखा जा रहा है, जहां सार्वजनिक

व्यवस्था और सुरक्षा को सर्वोपरि रखने की बात कही जा रही है। मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी भी धार्मिक स्थल से लाउडस्पीकर की आवाज परिसर से बाहर न जाए। इसके साथ ही, विशेष अवसरों को छोड़कर, सड़कों पर ऐसी किसी भी प्रार्थना सभा या धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी जिससे ट्रैफिक जाम हो और आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़े। हालांकि आदेश में किसी धर्म विशेष का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन इसे सार्वजनिक स्थलों पर शांति बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस फैसले पर नखोदा मस्जिद के ट्रस्टी नासिर इब्राहिम और सर्व भारतीय प्राच्य अकादमी के प्रिंसिपल जयंत कुशारी जैसे धार्मिक नेताओं ने भी सहमति जताई है

सीएम ने की मृतकों को 5-5 लाख मुआवजा की घोषणा

सिलेंडर ब्लास्ट से एक ही परिवार के चार लोग जिंदा जले..

दुर्ग। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मंगलवार दोपहर सिलेंडर ब्लास्ट होने से एक ही परिवार के चार लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में 2 बहनें, पिता और एक डेढ़ साल की बच्ची शामिल है। पूरा मामला कुम्हारी थाना क्षेत्र के खपरी गांव का है। इस हादसे पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शोक जताया है और मृतकों के परिजन को 5-5 लाख रुपए और जिला प्रशासन ने 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। हादसे के बाद स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मृतक के परिजनों से मुलाकात की और इस घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि सीएम के निर्देश पर दुर्ग कलेक्टर को इस पूरी घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक बिजली खंभे में शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लगी। खंभे के नीचे घर के प्लास्टिक और तिरपाल से बने छपर में लगी आग फैलते हुए कीचन तक जा पहुंची, जिससे गैस सिलेंडर फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि आग की लपटों ने पूरे मकान को चपेट में ले लिया। घर के अंदर मौजूद परिवार के सदस्य बाहर निकल नहीं सके और जिंदा जल गए। आसपास के लोगों ने धमाके की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग काफी फैल हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। घर के अंदर से 4 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। घटना की सूचना पर सांसद

विजय बघेल, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, एसएसपी विजय अग्रवाल, कलेक्टर अभिजीत सिंह और जिला प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिस वक्त हादसा हुआ, उस समय घर में 2 बहनें चांदनी वैष्णव (18 वर्ष), लक्ष्मी वैष्णव (20 वर्ष) और डेढ़ साल की गोपिका वैष्णव भी मौजूद थीं। घर में दोनों बहनों के पिता अनिल वैष्णव (45 वर्ष) भी मौजूद थे। हादसा इतना भयावह था कि चारों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के शव को पंचनामा कर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। वहीं अनिल वैष्णव की पत्नी, बेटा और एक बेटी घर के बाहर थे, जिससे उनकी जान बच गई।

सीवरेज पाइपलाइन कार्य के दौरान धंसी मिट्टी, महिला समेत 3 मजदूरों की मौत

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में सीवरेज पाइपलाइन विस्तार कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के फुटबॉल ग्राउंड स्थित दास पान ठेला के सामने निर्माण कार्य के दौरान अचानक मिट्टी धंस गई, जिससे तीन मजदूर नाली में दब गए। हादसे में तीनों मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक महिला मजदूर भी शामिल है। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई है। बताया जा रहा है कि बीएसपी की सीवरेज पाइपलाइन विस्तार परियोजना के तहत कार्य चल रहा था। इसी दौरान जेसीबी और चेन माउंट मशीन की मदद से खुदाई की जा रही थी। अचानक मिट्टी धंसने से वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जुट गई। वहीं पुलिस और बीएसपी के वरिष्ठ अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया गया। हादसे के पीछे निर्माण कार्य में लापरवाही को वजह माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। इधर, कांकेर लोकसभा सांसद भोजराज नाग भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

गौ माता के खिलाफअन्याय की लड़ाई लड़ने में भाजपाईयो से नही झुककेगे आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने गौ माता के झिरिया में हुए निर्मम मृत्यु के खिलाफ कांग्रेस पदाधिकारी द्वारा किए गए आंदोलन के फल स्वरुप नवागढ़ के विधायक एवं छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री दयाल दास बघेल के सांकेतिक पुतला दहन कार्यक्रम के विरोध में उनके पुत्र एवं जिला पंचायत सदस्य भाजपा नेता अंजू बघेल द्वारा किए गए एफ्आईआर को निरस्त किये जाने की बात करते हुए कहा कि कांग्रेस जन गौ माता के सच्चे सेवक हैं उन्हें किसी से प्रमाण पत्र लेने की आवश्यकता नहीं है भाजपा के मंत्री दयाल दास बघेल के क्षेत्र में ग्राम झिरिया के पास तीन सौ की तादाद में गौ माता की निर्मम मृत्यु होती है गौ माता को बिना पानी और चारे के एक स्थान में बंद करके रखा गया था उनके लिए किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं की गई आखिरकार गौ माता एवं गौ वंश के सैकड़ो पशुओं की मृत्यु हो गई इस पर प्रशासन ने आवश्यक कार्यवाही करने एवं गौ माता के लिए चारे तथा पानी का प्रबंध करने की बात कही थी आज लगभग वर्ष पर्यंत होने जा रहा है किंतु इस मामले में प्रशासन एवं शासन के द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई आज भी गौ माता की मृत्यु उसे क्षेत्र में लगातार हो रही है जिस पर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करने एवं कुंभकरणीय निद्रा से जागने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं जिसमें कांग्रेस के विधायक देवेंद्र यादव सहित पूर्व संसदीय सचिव गुरुदयाल बंजारे एवं जिला युवक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रांजल तिवारी सहित अन्य कार्यकर्ताओं पर जो मामला दर्ज किया गया है वह दुर्भावना तथा अंग्रेजों की प्रशासन नीति से प्रेरित है जिसमें आम जनता की आवाज को कुचलने का प्रयास किया जाता था कांग्रेस तब भी नहीं झुकी थी तो आज उन अंग्रेजों के पाले हुए माफी वीर भाजपाइयों के आगे कांग्रेस जन झुकने वाले नहीं है यह लड़ाई गौ वंश की रक्षा के लिए है यह लड़ाई हमारी अस्मिता की लड़ाई है और लगातार जारी रहेगी भाजपा तथा प्रशासन के आल्हा अधिकारी एवं पुलिस प्रशासन जान ले की सत्ता आनी और जानी है किंतु जनहित के मामले में किसी प्रकार से कोई समझौता नहीं होगा जितनी एफ्आईआर करनी है जितनी गिरफ्तारियां करनी है भाजपा प्रशासन कर ले कांग्रेस जन झुकने वाले नहीं है पूर्व में भी भाजपाइयों के द्वारा सत्ता के मद में कांग्रेस जनों के ऊपर मामले दर्ज किए जाते रहे हैं और कहीं ना कहीं जनता इस बात से आक्रोशित होकर इन्हें सत्ता से बेदखल करती रही है जनता कांग्रेस के साथ है जनता जान रही है कि कांग्रेस पार्टी उनके हक की लड़ाई गौ वंश की रक्षा के लिए लड़ाई कर रही है आने वाले समय में जनता इन्हें सबक सिखाएगी नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र जो कि मंत्री जी का क्षेत्र होने के बावजूद हिंदुत्व का ढिंढोरा पीटने वाले भाजपा नेता गोवंश की रक्षा के लिए आज एक शब्द भी नहीं बोलते लगातार क्षेत्र में गोवंश के ऊपर अत्याचार किया जा रहा है किंतु भाजपाई मूकदर्शक बनकर बैठे हुए हैं इन्हें गोवंश से कोई लेना-देना नहीं है यही कारण है कि इतनी गौ माता की मृत्यु के बाद भी आज तक गौ माता के लिए कहीं कोई प्रयास भाजपा अथवा भाजपा की जनप्रतिनिधियों के द्वारा नहीं किया गया है जिसका विरोध कांग्रेस पार्टी करती है और यही चीज भाजपाइयों को चुभती है जिस कारण वह कांग्रेस जनों पर दबाव बनाने के लिए मामले मुकदमे दर्ज करने में जुटे हुए हैं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कहा कि अगर स्थानीय पुलिस द्वारा कांग्रेस जनों के विरुद्ध दर्ज की गई एफ्आईआर को निरस्त नहीं किया जाता तो आने वाले समय में कांग्रेस एक बड़ा जन आंदोलन खड़ा करेगी।

अध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने किया हनुमान धारा सौंदर्यीकरण का भूमि पूजन

करीब 2.98 करोड़ की लागत से विकसित होगा धार्मिक व पर्यटन स्थल

चांपा/मूक पत्रिका

नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत स्थित हनुमान धारा में बहुप्रतीक्षित सौंदर्यीकरण कार्य का भूमि पूजन नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव एवं पार्षदों की गरिमामयी उपस्थिति में विधिवत संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने बताया कि हनुमान धारा के सौंदर्यीकरण की मांग लंबे समय से नगरवासियों द्वारा की जा रही थी। नागरिकों की इस भावना को देखते हुए प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी से सौंदर्यीकरण हेतु राशि स्वीकृति का आग्रह किया गया था। कार्य की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी मंत्री द्वारा कलेक्टर महोदय को आवश्यक निर्देश दिए गए, जिसके पश्चात सीएसआर मद से कुल 2 करोड़ 98 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई।स्वीकृत राशि से हनुमान धारा परिसर में बाउंड्री वॉल, आकर्षक पाथवे, गार्डनिंग, बच्चों के लिए झूले, चबूतरा, फव्वारा, आधुनिक लाइटिंग व्यवस्था, कैंटीन सहित अन्य सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इससे यह स्थल धार्मिक आस्था के साथ-साथ नगर के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में भी विकसित होगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस कार्य को नगर के सौंदर्यीकरण और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

झेरिया यादव समाज बेमेतरा में आजीवन सदस्यता अभियान को लेकर बैठक संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज 5066 प्रदेश कार्यालय रायपुर के प्रदेश अध्यक्ष जगनिक यादव के आदेशानुसार प्रदेशभर में जिला स्तरीय आगामी जिला अध्यक्ष चुनाव के संबंध में आजीवन सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में झेरिया यादव समाज बेमेतरा द्वारा आवश्यक बैठक आयोजित कर समाज के लोगों को आजीवन सदस्यता से जोड़ने पर चर्चा की गई।बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के निर्देशानुसार जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने एवं समाजहित में सक्रिय रूप से कार्य करने का निर्णय लिया गया। साथ ही समाज के गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को सहयोग प्रदान करने का संकल्प भी लिया गया। समाजजनों ने इसे बेमेतरा जिले के लिए गौरवपूर्ण पहल बताया।बैठक में मुख्य रूप से संजय यादव, अमित यादव, डोमन यादव, सोनू यादव, ललित यादव, अभिषेक यादव, जितेंद्र यादव, डेनीचंद यादव, चंद्रशेखर यादव एवं अश्वनी यादव सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे।बैठक के दौरान समाज को नई दिशा देने, एकता को मजबूत करने, शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने तथा समाज को संगठित करने को लेकर विभिन्न सुझाव एवं विचार प्रस्तुत किए गए। वक्ताओं ने विश्वास जताया कि समाज की एकजुटता और सकारात्मक सोच से झेरिया यादव समाज नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होगा।

सेजेस सिंघौरी में पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई लॉटरी प्रक्रिया

सिंघौरी/मूक पत्रिका

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस) सिंघौरी के प्रांगण में छात्र प्रवेश हेतु लॉटरी प्रक्रिया का आयोजन मंगलवार 12 मई 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रक्रिया सुबह 8 बजे से शाला विकास समिति के अध्यक्ष टी.डी. मानिकपुरी एवं समिति के सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। कार्यक्रम में पार्षद नीतू कोठारी, पालकगण तथा स्थानीय नागरिक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य संजय प्रसाद प्यासी के नेतृत्व में पूरी लॉटरी प्रक्रिया पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई गई। सभी टिकटों को उपस्थित लोगों के समक्ष अच्छी तरह मिलाने के बाद ड्रॉ बॉक्स के माध्यम से विजेता छात्र-छात्राओं का चयन किया गया।विद्यालय प्रबंधन ने जानकारी देते हुए बताया कि चयनित छात्र-छात्राएं अपने समस्त आवश्यक दस्तावेजों के साथ आगामी 15 दिनों के भीतर विद्यालय में संपर्क कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें। विजेता विद्यार्थियों की सूची विद्यालय कार्यालय के सूचना पटल पर भी चस्पा कर दी गई है।इस अवसर पर विद्यालय के व्याख्याता राम गोपाल चंद्राकर, विनोद कुमार साहू, माधुरी साहू, समीर कुमार, तुषार कुमार, शिक्षक अनिल कुमार, वेदिका साहू, आशीष तिवारी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुआ।

रामनामिया समाज से मिले पूर्व राज्य मंत्री डॉ हरिदास भारद्वाज, साल-श्रीफल भेंट कर किया सम्मान

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ डॉ हरिदास भारद्वाज राज्य मंत्री ने क्षेत्र के रामनामिया समाज के लोगों से सौजन्य भटगांव झुमरपाली में मुलाकात कर सामाजिक समरसता एवं आपसी भाईचारे का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने समाज के वरिष्ठजनों को साल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने आत्मीय स्वागत करते हुए पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका अभिनंदन किया।

मुलाकात के दौरान क्षेत्रीय विकास, सामाजिक एकता, संस्कृति संरक्षण एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। पूर्व राज्य मंत्री ने कहा कि समाज की संस्कृति और परंपराएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने समाज के लोगों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का समाज के बीच पहुंचकर संवाद करना सकारात्मक संदेश देता है। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन, युवा वर्ग एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का माहौल सम्मान, सौहार्द और सामाजिक सद्भाव से परिपूर्ण रहा।

पंचायत उप निर्वाचन 2026 : ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर जिला प्रशासन के निर्देश जारी

- रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर पूर्णतः प्रतिबंधित, अनुमति लेना अनिवार्य

बेमेतरा/मूक पत्रिका

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन मई 2026 के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा जिले में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण एवं लोक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, बेमेतरा द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग, रायपुर द्वारा पंचायत उप निर्वाचन मई 2026 का निर्वाचन कार्यक्रम 08 मई 2026 को जारी किए जाने के साथ ही संबंधित ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। निर्वाचन अवधि के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों द्वारा प्रचार-प्रसार हेतु लाउडस्पीकरों का व्यापक उपयोग किया जाता है, जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ने के साथ आमजन की शांति एवं प्रशांति प्रभावित होती है। जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि वाहनों एवं चुनावी सभाओं में अत्यधिक तेज आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है तथा वृद्ध, बीमार एवं कमजोर व्यक्तियों को भी गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए जिला दण्डाधिकारी प्रतिष्ठा ममगाई द्वारा छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा-4 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए आवश्यक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं।

रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक पूर्ण प्रतिबंध

जारी आदेशानुसार संबंधित जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत एवं पंचायत वार्ड की सीमाओं के अंतर्गत रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06:00 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

मध्यम आवाज में ही होगा उपयोग

निर्वाचन प्रचार के लिए वाहनों एवं चुनावी सभाओं में प्रातः 06:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किया जा सकेगा। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया है कि ध्वनि विस्तारक साधारण प्रकार के होंगे तथा उन्हें मध्यम आवाज में ही चलाया जाएगा।लोक शांति एवं ध्वनि नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए लंबे चोंगे वाले हार्न माइक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अतिरिक्त वाहनों एवं चुनावी सभाओं में एक से अधिक माइक समूह लगाने की अनुमति भी नहीं होगी।

पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य

जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि चुनावी सभाओं एवं चुनाव प्रचार के लिए वाहनों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग हेतु संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी अथवा तहसीलदार कार्यालय से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन ने सभी राजनीतिक दलों, अभ्यर्थियों एवं आम नागरिकों से आदेश का पालन करने की अपील करते हुए कहा है कि निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग करें।

ग्रामसभा के फैसले पर नोटिस से ग्रामीण नाराज, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, तहसीलदार पर PESA कानून उल्लंघन का आरोप, कार्रवाई की मांग

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार।

भोपालपटनम ब्लॉक के ग्राम गोटाईगुड़ा में मंगलवार को आयोजित पारंपरिक ग्रामसभा के बाद ग्रामीणों ने एसडीएम यशवंत नाग को ज्ञापन सौंपकर तहसीलदार पर पेसा कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने नोटिस निरस्त करने और संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन की प्रतिलिपि राज्यपाल, मुख्य सचिव, आदिम जाति विभाग, बस्तर संभाग आयुक्त, जिला अनुसूचित जनजाति आयोग, सांसद और विधायक को भी भेजी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामसभा ने खसरा नंबर 61/12 की 0.400 हेक्टेयर भूमि को आदिवासी सामाजिक भवन के लिए सुरक्षित रखने का निर्णय लिया था। यह फैसला पेसा नियम 2022 की धारा-4 के तहत लिया गया था। इसके बावजूद तहसीलदार भोपालपटनम ने 29 अप्रैल 2026 को ग्रामसभा पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर इसे शासकीय कार्य में बाधा बताया। ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि यह कार्रवाई संविधान के अनुच्छेद 244(1) और पांचवीं अनुसूची की भावना के खिलाफ है। उन्होंने यह भी आपत्ति जताई कि नोटिस में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 का उल्लेख कर ग्रामसभा प्रतिनिधियों को कार्रवाई की चेतावनी दी गई, जबकि सरपंच, पटेल और माटी पुजारी शासकीय कर्मचारी नहीं हैं।ग्रामीणों ने इसे प्रशासनिक दबाव बताते हुए तहसीलदार के खिलाफ विभागीय जांच और निलंबन की मांग की है। साथ ही नोटिस तत्काल वापस लेने और अनुसूचित क्षेत्रों में पदस्थ अधिकारियों के लिए संवैधानिक साक्षरता कार्यशाला आयोजित करने की मांग भी उठाई गई।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जल्द कार्रवाई नहीं होने पर बस्तर संभाग की ग्रामसभाएं लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करेंगी।ज्ञापन सौंपने के दौरान माटी पुजारी शिवराम, पटेल दशरथ, सरपंच सरिता गोटे, एटी शंकर, पारेट बापू, तोडेम चन्द्रैया, वासम राकेश, कोरम लक्ष्मीनारायण सहित 150 से अधिक ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें

तहसीलदार द्वारा जारी नोटिस तत्काल निरस्त हो

संबंधित अधिकारी पर विभागीय जांच और कार्रवाई हो

PESA कानून के अधिकारों का पालन सुनिश्चित किया जाए

अनुसूचित क्षेत्रों के अधिकारियों को संवैधानिक प्रशिक्षण दिया जाए

नारायणपुर में जनसमस्या निवारण शिविर बना जनसेवा का प्रभावी माध्यम

खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, योजनाओं से अनेक हितग्राही हुए लाभान्वित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासन की मंशानुसार आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से ग्राम नारायणपुर में विशाल जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं और मांगें लेकर पहुंचे। यह शिविर ग्रामीणों के लिए अपनी लंबित समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी मंच साबित हुआ। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता प्रदेश के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंत्री श्री बघेल ने स्वयं शिविर में पहुंचकर आमजनों की समस्याएं सुनीं तथा विभागीय अधिकारियों से आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आम जनता की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए।

मंत्री बघेल ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

खाद्य मंत्री बघेल ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, मांगों और आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। मंत्री बघेल ने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपने विभागों की योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। उन्होंने ग्रामीणों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं से प्रशासन को अवगत कराएं। शासन समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

विभिन्न विभागों के स्टॉल लगे, हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

शिविर में राजस्व, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया।शिविर में राशन कार्ड निर्माण, पेंशन प्रकरण, सीमांकन एवं अन्य जनसमस्याओं से संबंधित कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। त्वरित समाधान मिलने से ग्रामीणों के चेहरों पर संतोष एवं खुशी स्पष्ट दिखाई दी। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविरों से उन्हें सीधे राहत मिल रही है।

12वीं के उत्कृष्ट विद्यार्थियों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के पांच विद्यार्थियों को 10-10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया। मंत्री बघेल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्जवल भविष्य का आधार है और मेहनत व लगन से विद्यार्थी जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा

शिविर के दौरान ग्राम पंचायत नारायणपुर के सरपंच द्वारा ग्राम में सीसी रोड निर्माण की मांग रखी गई, जिस पर मंत्री बघेल ने ग्राम पंचायत में सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 10 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। इस घोषणा से ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया।

जनता की सेवा निस्वार्थ भाव से करें — मंत्री बघेल

शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक लाया गया है, ताकि ग्रामीणों को अपने जायज कार्यों के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़कर उनके जीवन में खुशहाली और तरक्की लाने का सतत प्रयास कर रही है। शिविर में नारायणपुर क्लस्टर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे थे। ग्रामीणों ने कहा कि मंत्री श्री बघेल की उपस्थिति से अधिकारियों की संवेदनशीलता और जवाबदेही बढ़ी है तथा उन्हें विश्वास है कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। जनसमस्या निवारण शिविर सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में सामने आया।

डॉक्टर बोले- कैंसर है सट्टा, वकील ने कहा कानून सो रहा, महिला बोली घर उजड़ रहे, नेता ने उठाए पुलिस पर सवाल

पुलिस द्वारा सट्टेबाजों को खुली छूट : थाना बोले– साइबर देख लो, साइबर बोले–थाना सेट कर लो

चांपा/मूक पत्रिका

क्रिकेट सट्टे का जाल अब चांपा और आसपास के क्षेत्रों में युवाओं की ज़िंदगी निगलने लगा है। ऑनलाइन और ऑफ्लाइन सट्टेबाजी इस कदर बेलगाम हो चुकी है कि कई घरों की खुशियां उजड़ चुकी हैं और युवा पीढ़ी बर्बादी की कगार पर पहुंच गई है। चमक-दमक और रातों-रात अमीर बनने के झूठे सपने दिखाकर सट्टा गिरोह युवाओं को अपने दलदल में धकेल रहे हैं। सट्टे की शुरुआत कुछ सौ या हजार रुपये से होती है, लेकिन हार का सिलसिला शुरू होते ही युवा भारी ब्याज पर पैसे उठाने को मजबूर हो जाते हैं। निजी साहूकारों और सट्टा संचालकों से लिया गया कर्ज जब चुकाना मुश्किल होता है, तो मानसिक तनाव, डर और बदनामी युवाओं की जिंदगी को नरक बना देती है। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि कई

युवा अवसाद में जा रहे हैं, तो कुछ आर्थिक और मानसिक दबाव में आत्मघाती कदम तक उठा रहे हैं। कई ऐसे मामले हैं जो सामाजिक बदनामी के डर से सामने ही नहीं आ पाते।

सट्टा समाज के लिए कैंसर - डॉक्टर

डॉक्टर शुभम गुप्ता (सर्जन) का कहना है कि सट्टा युवाओं के लिए शरीर में फैलने वाले कैंसर की तरह है, जो धीरे-धीरे इंसान को खत्म कर देता है। उन्होंने कहा कि सट्टा सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, पूरे समाज को खोखला कर देता है। घर, स्कूल और समाज को मिलकर ऐसी दिशा देनी होगी कि युवा इस दलदल में जाए ही नहीं। सबसे अच्छी कार्रवाई वही है, जिसकी नौबत ही न आए।

मां-बाप और पुलिस दोनों की जिम्मेदारी ङ्क वकील

वरिष्ठ अधिवक्ता गोपीचंद बरेठ के अनुसार सट्टा युवाओं को बर्बादी की ओर ले जा रहा है। माता-पिता को अपने बच्चों पर विशेष नजर रखनी चाहिए और समाज में व्यापक जनजागरूकता जरूरी है। उन्होंने साफ कहा कि पुलिस को ऐसे मामलों में पूरी तरह सजग रहना होगा और किसी भी तरह की संलिप्तता बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए।

पुलिस ही पहली और आखिरी कड़ी - समाजसेवी

महिला एवं समाजसेवी मंजूषा पाटले ने कहा कि परिवार का अनुशासन, बच्चों की गतिविधियों की जानकारी और समय पर हस्तक्षेप बेहद जरूरी है। अगर पुलिस ही ऐसे मामलों में संलिप्त होगी, तो आम जनता किस पर भरोसा करेगी? उन्होंने सट्टे के पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म करने की मांग की।

पुलिस चाहे तो 10 मिनट में सट्टा बंद ङ्क कांग्रेस

जिला कांग्रेस प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने पुलिस की निष्क्रियता पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अगर पुलिस चाहे तो 10 मिनट में सट्टा बंद हो सकता है। कम समय में ज्यादा पैसे कमाने का लालच युवाओं को तबाह कर रहा है। सट्टा जैसे जहर को रोकने के लिए कठोर कार्रवाई और कानून का डर जरूरी है।

चांपा में उबाल, पुलिस से सीधे सवाल

चांपा नगर में सट्टा इस कदर फैल चुका है कि अब हर वर्ग के लोग पुलिस प्रशासन से सवाल कर रहे हैं–आखिर इस पर कब पूरी तरह अंकुश लगेगा? क्या पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी या फिर ÷सेटिंग÷ के सहारे यह अवैध कारोबार यूं ही चलता रहेगा?

आदर्श और अपराधमुक्त गांव बनाने सरिया पुलिस की पहल, बुदबुदा में लगी साइबर चौपाल, गांव वालों को ऑनलाइन ठगी से किया सतर्क..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

साइबर ठगी और ऑनलाइन अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरिया पुलिस गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रही है। इसी के तहत मिशन पहल अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत बुदबुदा में साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को साइबर फ्रॉड, मोबाइल ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया धोखाधड़ी और ऑनलाइन बैंकिंग से जुड़े अपराधों की जानकारी सरल भाषा में दी गई। कार्यक्रम में थाना प्रभारी एन एल राठिया ने कहा कि पुलिस सिर्फ अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के लिए नहीं है, बल्कि लोगों को पहले से जागरूक करना भी पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ÷हमारा थाना - हमारा पुलिस÷ अभियान का उद्देश्य पुलिस और आम लोगों के बीच भरोसा बढ़ाना और गांवों को अपराधमुक्त बनाना है। उन्होंने ग्रामीणों से बुदबुदा को आदर्श और नशामुक्त गांव बनाने की अपील की। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों के साथ बातचीत से हुई। थाना प्रभारी ने गांव के बच्चों से उनके नाम और भविष्य में क्या बनना चाहते हैं, यह पूछा। बच्चों ने डॉक्टर, इंजीनियर, पुलिस, नर्स समेत कई बड़े सपने बताए। बच्चों की बात सुनकर थाना प्रभारी ने उन्हें चॉकलेट देकर प्रोत्साहित किया और कहा कि शिक्षा ही जीवन बदलने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम में नशामुक्ति पर भी चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों ने शराब और अन्य नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए युवाओं को इससे दूर रहने की सलाह दी।इसके बाद उन्होंने ग्रामीणों को ऑनलाइन ठगी के नए तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि अनजान मोबाइल नंबर से आने वाले कॉल, लिंक और मैसेज पर भरोसा न करें। किसी भी हालत में ओटीपी, बैंक डिटेल, एटीएम नंबर या निजी दस्तावेज किसी से साझा न करें।पुलिस ने खास तौर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर हो रही ठगी के बारे में लोगों को सावधान किया। थाना प्रभारी ने बताया कि कई साइबर ठग सरकारी योजना का लाभ दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे मांगते हैं। ऐसे मामलों में तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस जैसे जरूरी दस्तावेज सोशल मीडिया या अनजान लोगों के साथ साझा करना खतरनाक हो सकता है। साइबर अपराधी इनका गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। लोगों को किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करने और नजदीकी थाना में शिकायत करने की जानकारी दी गई।कार्यक्रम में थाना प्रभारी एन एल राठिया, एएसआई एम एल डनसेना, प्रधान आरक्षक सुरेंद्र सिदार, आरक्षक अमृत केंवट, महिला आरक्षक प्रीति खड़िया, साइबर टीम और थाना स्टाफ मौजूद रहे। इसके अलावा पत्रकार हेमन्त पटेल, बुदबुदा सरपंच प्रतिनिधि बबलू पटेल, पंचधार व बरपाली के सरपंच, गांव के वरिष्ठ नागरिक, युवा नेता राजकुमार पाव, नावापारा छोटे के जनप्रतिनिधि, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिलाएं, बच्चे और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने संवेदनशीलता से सुनी समस्याएं, अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश

जनदर्शन में पहुंचे मांग एवं समस्याओं से संबंधित कुल 74 आवेदक

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज साप्ताहिक जनदर्शन के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को संवेदनशीलता से सुना। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 74 आवेदन प्राप्त हुए।जनदर्शन में आज तहसील चांपा के ग्राम ग्राम सिवनी (च) निवासी राजाराम राठौर द्वारा जमीन की सीमांकन करवाने, तहसील पामगढ़ के ग्राम खरौद निवासी राम यादव द्वारा बालिका समृद्धि योजना का लाभ दिलवाने, तहसील बलौदा के ग्राम मधाईपुर निवासी विक्रम प्रसाद लहरे द्वारा अतिक्रमण हटवाने, तहसील नवागढ़ के ग्राम नवापारा निवासी शिवचरण यादव द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ दिलाने, तहसील अकलतरा के ग्राम कापन निवासी शोभाराम के द्वारा आर्थिक सहायता हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को सुनते हुए सभी संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

सामुदायिक भवनों और चबूतरा निर्माण के लिए 43 लाख मंजूर

जांजगीर-चांपा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने जांजगीर-नैला नगर पालिका में 4 निर्माण कार्यों के लिए 43 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद

विभाग ने संचालनालय से इनकी मंजूरी के आदेश जारी कर दिए हैं। उप मुख्यमंत्री ने सभी कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए समय-सीमा में काम पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विकास ने जांजगीर-नैला नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-4 में सिंधी धर्मशाला के पीछे सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 15 लाख 18 हजार रुपए मंजूर किए हैं। विभाग ने वार्ड क्रमांक-14 में सारथी मोहल्ला में तथा वार्ड क्रमांक-15 में सिटी क्लब जांजगीर में बहादुर गुरूजी स्मृति सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए क्रमशः 10 लाख 38 हजार रुपए और 10 लाख 34 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। विभाग द्वारा वार्ड क्रमांक-2 में रहसबेड़ा के पास छतदार चबूतरा के निर्माण के लिए भी 7 लाख 10 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं।

कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने कलेक्टोरेट के कक्षों और कार्यालयों का किया निरीक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने कलेक्टोरेट सारंगढ़ में संचालित सभी कक्षों और कार्यालयों का निरीक्षण किया, इसमें अधीक्षक, आवक जावक, भू-अर्जन, न्यायालय, आरटीआई, आधार सेवा केन्द्र, अभिलेख, खाद्य और खनिज विभाग के जिला कार्यालय शामिल है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधीक्षक को ऑफ्लाइन आए फाइलों के संबंध में जानकारी ली और ई-आफिस में फाइल को भेजने पर जोर देने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अभिलेख रिकार्ड लेने आये नागरिकों से कितना समय से आए हैं, की जानकारी ली और लिपिक को शीघ्र रिकार्ड देने के निर्देश दिए।

विकासखंड बेमेतरा के ग्राम ढोलिया, नगर पालिका बेमेतरा के बेसिक ग्राउण्ड गांधी भवन वार्ड नं. 04 व विकासखण्ड साजा के ग्राम घिवरी में समाधान शिविर आज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत 13 मई को जनपद पंचायत बेमेतरा के ग्राम पंचायत ढोलिया (शास. पूर्व मा. शाला) में समाधान शिविर आयोजित किया गया है। ग्राम मोहतरा ख, लावातरा, धनगांव, अतरिया, मरका, झालम, झाल, केवाछी, चारभाठा, ढोलिया, बिलई, पंडरभट्ठा, पेन्ड्रीतराई, नरी, मुलमुला, खाम्ही, बाराडेरा, चदनू, मुटपुरी एवं केशतरा ग्राम पंचायत के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है, इसी प्रकार विकासखण्ड साजा के ग्राम पंचायत घिवरी (शास. हाई स्कूल) में समाधान शिविर आयोजित किया गया है। ग्राम खुरूसबोड आर, सैगोना, कारेसरा, गर्रा, घिवरी, सौरी, खाती, हरदास डगनिया, पतोरा हाटरांका बरगा केशतरा, गडुवा, खैरझिटी कला, हथमुडी, पदमी, पदुमसरा एवं किरकी ग्राम पंचायत के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है, इसी प्रकार नगर पालिका परिषद बेमेतरा में वार्ड क्रमांक 01 से 07 बेसिक ग्राउण्ड गांधी भवन वार्ड 04 बेमेतरा में यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे निर्धारित किया गया है।समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं से पात्र अनेक हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। शिविर में शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने ग्रामीण जनों को शिविर में उपस्थित होकर शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

शांति व्यवस्था बनाए रखने प्रशासन की सख्ती, दो बदमाश जिला बदर

- चांपा-भैंसो के दो बदमाशों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले में कानून-व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी जन्मेजय महोबे ने पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा के प्रतिवेदन पर फैजल खान एवं आकाश सिंह को जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। जिला दंडाधिकारी ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 एवं 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह कार्रवाई की है। आदेश के अनुसार फैजल खान पिता स्व. चांद खान, निवासी बरपाली चौक चांपा, थाना चांपा तथा आकाश सिंह पिता कृष्ण सिंह, निवासी भैंसो, थाना पामगढ़ को जांजगीर-चांपा जिला सहित सरहदी जिले सक्ती, रायगढ़, कोरबा, बिलासपुर एवं बलौदा बाजार की राजस्व सीमाओं से बाहर रहने का निर्देश दिया गया है।जारी आदेश में दोनों व्यक्तियों को आदेश जारी होने के 24 घंटे के भीतर उक्त जिलों की सीमा से बाहर चले जाने तथा आगामी एक वर्ष की अवधि तक इन जिलों में प्रवेश नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

13 मई को सारंगढ़ और फर्स्वानी में होगा सुशासन तिहार शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़,। सुशासन तिहार शिविर का आयोजन जिले में 13 मई को सारंगढ़ ब्लॉक के क्लस्टर अंतर्गत ग्राम पंचायत फर्स्वानी के हाईस्कूल परिसर में सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजन किया जाएगा, जिसमें ग्राम नौरंगपुर, मुड़पार छोटे, खर्री बड़े, ठाकुरदिया, अमझर, मौहाढोढा, खरवानी बड़े, घौठला बड़े, सिंगारपुर, फर्स्वानी, मल्दा ब, कपिस्दा ब, अमलीडीपा, बुदेली, माधोपाली, दानसरा शामिल हैं। इसी प्रकार नगरपालिका परिषद सारंगढ़ के वार्ड 1,2,3,4 और 10 के लिए कृषि उपज मंडी प्रांगण सारंगढ़ में भी क्लस्टर सुशासन तिहार शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें जिले के नागरिक अपनी मांग, सुझाव और शिकायत प्रशासन को दे सकते हैं। सुशासन तिहार का निरंतर आयोजन 10 जून 2026 तक जनसमस्या निवारण शिविर के रूप में किया जायेगा।

13 मई को राजस्व शिविर का आयोजन

शादी से इनकार करना पड़ा भारी नहीं मानी, तो किशोरी के शरीर पर चाकू से ताबड़तोड़ जानलेवा हमला

बकावंड/मूक पत्रिका

करपावंड थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पोटियावंड में एक 17 वर्षीय किशोरी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया है। गंभीर रूप से घायल किशोरी को अस्पताल बाकावड में भर्ती कराया गया है। मामले को लेकर पीड़िता के पिता ने थाना करपावंड में लिखित शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पोटियावंड निवासी गोविंद राम कश्यप ने थाने में दिए गए शिकायत पत्र में बताया है कि उनकी बेटी रत्ना कश्यप कक्षा 11वीं की छात्रा है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि संध करमरी निवासी बनमाली सोनी द्वारा पूर्व में शादी का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे लड़की की कम उम्र होने के कारण परिवार ने अस्वीकार कर दिया था। बताया गया है कि रविवार रात करीब 10 बजे रत्ना किसी फोन कॉल के बाद घर के बाहर गई थी। कुछ देर बाद चीखने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे, जहां युवती घायल अवस्था में मिली। परिजनों का आरोप है कि आरोपी बनमाली सोनी ने धारदार हथियार से हमला किया और मौके से फरार हो गया। हमले में युवती के सिर, सीने, गर्दन और हाथों में गंभीर चोटें आई हैं। ग्रामीणों की मदद से उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पीड़िता के पिता ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सुशासन तिहार में मौके पर बने दस्तावेज, कई योजनाओं का मिला लाभ

गंगालूर शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, 103 लोगों को मिले वनाधिकार पत्र

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। सुशासन तिहार के तहत मंगलवार को गंगालूर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही आसपास के गांवों से लोग शिविर पहुंचने लगे थे। गंगालूर, डोडीतुमनार, गमपुर, पीड़िया, बुरजी, मेटापाल, पुसनार, गोंगला, कमकानार, पदमुर, चेरपाल, पालनार और तोड़का समेत कई गांवों के हजारों ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर शासन की योजनाओं की जानकारी ली और विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाया।शिविर में कलेक्टर विश्वदीप ने अलग-अलग विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से आवेदन और उनके निराकरण की जानकारी ली। उन्होंने मौके पर ही लोगों की सुविधाओं को देखते हुए लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की व्यवस्था शुरू करने के निर्देश दिए।ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार का मकसद लोगों की समस्याओं का गांव में ही समाधान करना और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

उन्होंने लोगों से शिविर में लगाए गए स्टॉलों में जाकर योजनाओं की जानकारी लेने की अपील की।कलेक्टर ने बताया कि राशन कार्ड, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड और जाति प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेज ÷बस्तर मुन्ने÷ अभियान और शिविरों के माध्यम से घर-घर जाकर बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम किसान, महतारी वंदन योजना और दूसरी योजनाओं की राशि सीधे बैंक खातों में भेजी जाती है, इसलिए हर व्यक्ति का बैंक खाता होना जरूरी है। प्रशासन शिविरों के जरिए खाते खुलवाने का काम भी कर रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव ने भी ग्रामीणों को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।शिविर में 103 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र वितरित किए गए। वहीं नक्सल प्रभावित दो परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई। इसके अलावा 28 लोगों को श्रम कार्ड दिए गए। कई हितग्राहियों को राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मृदा परीक्षण कार्ड, मत्स्य जाल और आईस बॉक्स भी वितरित किए गए। शिविर में जिला पंचायत सदस्य मैथियस कुजूर, जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

शिविर में ग्रामीणों को मिले ये लाभ

103 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र वितरित

2 नक्सल प्रभावित परिवारों को पीएम आवास की चाबी

28 लोगों को श्रम कार्ड प्रदान किए गए

राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज वितरित

मृदा परीक्षण कार्ड देकर किसानों को लाभान्वित किया गया

मत्स्य विभाग ने जाल और आईस बॉक्स बांटे

शिविर में बैंक खाता, आयुष्मान और अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई

संपादकीय

महिला आरक्षण पर दावे बड़े, हकीकत छोटी ?

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में हुए चुनाव के दौरान कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव हुए। उनमें जीत हासिल करने वाली महिलाओं का अनुपात बेहद कम रहा। देश की सभी पार्टियां राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का एक मत से समर्थन करती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किए जाने के लिए तैंतीस फीसद आरक्षण का विधेयक पारित कराने में भी सभी दलों की भूमिका रही। मगर महिलाओं की नुमाइंदगी के सवाल पर संजीदा दिखने वाली लगभग सभी पार्टियां क्या तब तक इस मुद्दे पर ठोस पहल नहीं करेंगी, जब तक विधायिका में आरक्षण की व्यवस्था व्यवहार में लागू न हो जाए?आखिर क्या वजह है कि देश में लोकसभा या फिर विधानसभा के लिए जब भी चुनाव होते हैं, तो उसमें पर्याप्त संख्या में महिलाओं को टिकट देने को लेकर ईमानदार इच्छाशक्ति का अभाव दिखता है? गौरतलब है कि चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियों की ओर से जितनी महिलाओं को टिकट दिया गया और उनमें जीतने वालों की जो संख्या रही, वह महिला भागीदारी के सवाल पर राजनीतिक दलों के प्रचारित सरोकार के प्रति ईमानदारी को कठघरे में खड़ा करती है।दरअसल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में हुए चुनाव के दौरान कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव हुए। उनमें जीत हासिल करने वाली महिलाओं का अनुपात बेहद कम रहा। नतीजों के मुताबिक, इन पांचों प्रदेशों में कुल पांच फीसद सीटों पर ही महिलाएं चुनी गईं। इन राज्यों में अलग-अलग पार्टियों ने महिलाओं को टिकट देने में भी अपने घोषित सरोकारों के उलट रवैया अपनाया। मसलन, पश्चिम बंगाल में दो सौ सात सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आने वाली भाजपा ने सभी 294 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे, लेकिन उसने सिर्फ तैंतीस सीटों पर महिलाओं को मौका दिया था।जबकि तृणमूल कांग्रेस ने अपनी उम्मीदवारी के 291 सीटों में से 52 महिलाओं को टिकट दिया था। नतीजतन, राज्य की कुल सीटों में से सिर्फ दस फीसद महिलाएं जीत सकीं। दूसरी ओर, तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव हुआ, जहां सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी टीवीके 234 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उसने सिर्फ चौबीस महिलाओं को उम्मीदवार बनाया था। असम में फिर से जीतने वाली भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने 126 सीटों में से केवल छह महिलाओं को टिकट दिया। केरल में जीत हासिल करने वाली यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को मौका दिया।जाहिर है, तकरीबन सभी पार्टियों ने महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में कोई खास उत्साह नहीं दिखाया। हालांकि हाल ही में संसद में परिसीमन विधेयक पारित न होने के संदर्भ में महिला आरक्षण का सवाल चुनावी राजनीति का भी मुद्दा बना और भाजपा की ओर से इस मसले पर विपक्षी दलों पर सवाल उठाए गए। विडंबना यह है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के घोषित दावों के बरक्स टिकट देने के मामले में भाजपा सहित सभी पार्टियों के भीतर इच्छाशक्ति की कमी दिखती है।

अस्पताल या इंतजार केंद्र? इलाज से पहले ही थका देती है व्यवस्था, बिस्तरों की कमी ने बढ़ाई मुश्किल

देश के अस्पतालों में प्रति एक हजार लोगों के लिए औसतन 1.3 बिस्तर हैं, जबकि दुनिया का मानक इससे दोगुने से भी ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि मरीज ज्यादा हैं और जगह कम है। अस्पताल उपचार का केंद्र होते हैं, लेकिन कई बार वे खुद ही बीमार नजर आते हैं। यह कहने और सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन देश के स्वास्थ्य तंत्र की इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता। जिन स्वास्थ्य संस्थानों पर हम जीवन बचाने का भरोसा करते हैं, वही कई बार संसाधनों की कमी, प्रबंधन की विफलता और बढ़ती व्यावसायिकता की वजह से संकट का कारण बन जाते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर ज्यादा दबाव है, या फिर इसे खुद इलाज की जरूरत है।

(मनीष जैसल)

आज के दौर में अस्पताल जाना कई बार बीमारी से बड़ा अनुभव बन जाता है। मरीज इलाज के लिए अस्पताल जाता है, लेकिन सबसे पहले उसे भीड़ और कतार में खड़े होकर कई घंटे इंतजार करने की परेशानी से जूझना पड़ता है। इसके बाद कहीं बिस्तर नहीं मिलता, तो कहीं विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद नहीं होते। यही नहीं, कई बार सब कुछ होने के बावजूद व्यवस्था साथ नहीं देती। यह तस्वीर किसी एक शहर की नहीं, बल्कि देश भर की है।

देश के अस्पतालों में प्रति एक हजार लोगों के लिए औसतन 1.3 बिस्तर हैं, जबकि दुनिया का मानक इससे दोगुने से भी ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि मरीज ज्यादा हैं और जगह कम है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में यह समस्या और साफ दिखती है, जहां आबादी इतनी ज्यादा है कि अस्पताल हमेशा भरे रहते हैं। समय के साथ आबादी बढ़ी, मरीजों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई, लेकिन इसके अनुरूप अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार नहीं हो पाया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफाइल (एनएचपी-2022) के अनुसार, देश में प्रति दस हजार आबादी पर अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता लगभग पंद्रह है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार न्यूनतम संख्या तीस बिस्तरों की है। यानी हम बुनियादी स्तर पर अभी आधे रास्ते में हैं। राज्यों के बीच असमानता इस संकट को और गहरा करती है। केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में स्वास्थ्य सेवाएं अपेक्षाकृत बेहतर हैं, जबकि बिहार और उत्तर प्रदेश में स्थिति गंभीर है। बिहार में प्रति दस हजार आबादी पर बिस्तरों की संख्या छह-सात के बीच है। इसका मतलब है कि एक ही देश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता नागरिक की भौगोलिक स्थिति पर निर्भर करती है।

ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी (आरएचएस 2022-23) की रपट से पता चलता है कि देश के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के 70 फीसद से अधिक पद खाली हैं। कई बड़े राज्यों में यह आंकड़ा 75-80 फीसद तक है। यानी ग्रामीण भारत में रहने वाले करोड़ों लोग प्राथमिक स्तर पर ही विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं से वंचित हैं।

अस्पतालों में संक्रमण की स्थिति भी चिंताजनक है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, देश में 10-15 फीसद मरीज इलाज के दौरान ही संक्रमण का शिकार हो जाते हैं। विकसित देशों में यह आंकड़ा लगभग आधा है। यानी हमारे अस्पताल कई बार रोग से मुक्ति के बजाय नई बीमारी का केंद्र बन जाते हैं। कोविड-19 महामारी ने इस सच्चाई को सबके सामने रखा। आक्सीजन की कमी, गहन चिकित्सा इकाई में बिस्तरों का अभाव और अस्पतालों के बाहर लंबी कतारें, ये दृश्य केवल एक आपदा नहीं, बल्कि हमारी तैयारियों की कमी का परिणाम थे।

निजी अस्पतालों की भूमिका भी सवालों से परे नहीं है। इलाज की बढ़ती लागत और पारदर्शिता की कमी ने आम नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा को महंगा एवं जटिल बना दिया है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में 65 फीसद और शहरी क्षेत्रों में 70 फीसद लोग निजी अस्पतालों का सहारा

लेते हैं। यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि सरकारी व्यवस्था पर घटते भरोसे का संकेत है।

देश में चिकित्सक-जनसंख्या अनुपात 1ः1400 के आसपास है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और खराब है। नर्सिंग स्टाफ की कमी और उपकरणों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। कैग की रपटों में पाया गया है कि कई अस्पतालों में महंगे उपकरण या तो खराब पड़े रहते हैं या उनका उपयोग नहीं हो पाता। यानी समस्या संसाधनों की कमी के साथ-साथ उनके प्रबंधन की भी है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, भारत में प्रतिदिन 700 टन से अधिक जैव-चिकित्सीय कचरा उत्पन्न होता है, जिसका पूरी तरह वैज्ञानिक तरीके से निपटान नहीं हो पाता। यह स्थिति संक्रमण के खतरे को और बढ़ाती है।

इन चुनौतियों के बीच वर्ष 2018 में आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य था- गरीब और कमजोर वर्ग को पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराना। यह योजना अपनी अवधारणा में बेहतर थी और इसने लाखों लोगों को पहली बार बड़े अस्पतालों तक पहुंचने का अवसर दिया। मगर जैसे-जैसे इसका विस्तार हुआ, वैसे-वैसे इसके दुरुपयोग के मामले भी सामने आने लगे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की जांच में पाया गया कि कई अस्पतालों ने फर्जी मरीज दिखाकर या अनावश्यक प्रक्रियाएं जोड़कर इस योजना के तहत धनराशि के दावे किए। ऐसे मामलों में सैकड़ों निजी अस्पतालों को अनियमितताओं के कारण इस योजना से बाहर कर दिया गया।

ऐसे मामलों का मानवीय पक्ष अधिक असहज करता है। एक सीमित आय वाला परिवार आयुष्मान कार्ड के भरोसे निजी अस्पताल पहुंचता है और यही उसकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। सतह पर सब कुछ सामान्य दिखता है, मगर बाद में कई बार सामने आता है कि अस्पताल की ओर से मरीज के इलाज के दौरान जिन प्रक्रियाओं का दावा किया गया, वे हुई ही नहीं। यानी अस्पतालों के लिए उपचार की गुणवत्ता से इतर, खर्च के बिल का विस्तार प्राथमिकता बन जाता है।

देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच असमानता भी स्पष्ट दिखाई देती है। लगभग 65 फीसद आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सकों का बड़ा हिस्सा शहरों में केंद्रित है। इस प्रक्रिया में समय और संसाधनों की बर्बादी के साथ-साथ कई बार मरीज की स्थिति भी गंभीर हो जाती है।

दूसरी ओर, शहरी क्षेत्रों में सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद अत्यधिक भीड़ और दबाव के कारण स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। यह असमानता केवल सुविधा की कमी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच के अभाव को दर्शाती है।

देश में स्वास्थ्य सेवाओं का एक बड़ा हिस्सा निजी क्षेत्र के माध्यम से संचालित होता है, जबकि सरकारी अस्पतालों पर गरीब और निम्न आय वर्ग की निर्भरता अधिक है। अनुमानतः 60 से 70 फीसद मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराते हैं, जहां सुविधाएं अपेक्षाकृत बेहतर होती हैं, लेकिन खर्च अधिक होता है।

इसके विपरीत, सरकारी अस्पतालों में इलाज सस्ता या निःशुल्क होता है, लेकिन वहां संसाधनों की कमी और अत्यधिक भीड़ के कारण मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति एक ऐसी दोहरी व्यवस्था को जन्म देती है, जहां इलाज की गुणवत्ता व्यक्ति की आर्थिक क्षमता पर निर्भर करती है और यह स्वास्थ्य सेवाओं की समानता और न्याय के सिद्धांत के विपरीत है। ऐसे में अस्पतालों की स्थिति में सुधार के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय बढ़ाना, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और मानव संसाधनों की कमी को दूर करना प्राथमिक कदम होने चाहिए। इसके साथ ही डिजिटल निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

7,900 मौतें, 80 हजार लापता- प्रवासन का छिपा वैश्विक संकट जो बदल रहा दुनिया का चेहरा

(देवेंद्रराज सुथार)

प्रवासन आज केवल लोगों का स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि वैश्विक असमानता, युद्ध, जलवायु संकट, बेरोजगारी और नीतिगत विफलताओं का संयुक्त परिणाम बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की एक रपट ने विश्व समुदाय का ध्यान एक ऐसे संकट की ओर आकर्षित किया है, जो अक्सर राजनीतिक बहसों और सीमा सुरक्षा की चर्चाओं के पीछे छिप जाता है। रपट के अनुसार, वर्ष 2025 में विश्व के विभिन्न प्रवासन मार्गों पर लगभग 7,900 लोगों की मृत्यु हुई या वे लापता हो गए। इसके साथ ही वर्ष 2014 से अब तक प्रवास के दौरान मारे गए या गायब हुए लोगों की कुल संख्या 80 हजार से अधिक हो चुकी है। यह संख्या केवल उन मामलों की है, जो दर्ज हो सके। वास्तविक स्थिति इससे कहीं अधिक गंभीर है। इन आंकड़ों का अर्थ यह है कि दुनिया भर में हजारों लोग बेहतर जीवन, सुरक्षा या रोजगार की तलाश में ऐसी यात्राएं कर रहे हैं, जिनका अंत अक्सर शोषण या गुमनामी में होता है।

प्रवासन आज केवल लोगों का स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि वैश्विक असमानता, युद्ध, जलवायु संकट, बेरोजगारी और नीतिगत विफलताओं का संयुक्त परिणाम बन चुका है। इसके पीछे एक व्यक्ति, एक परिवार, एक अधूरा सपना और एक टूटती सामाजिक संरचना छिपी होती है। इसलिए प्रवासन के सवाल को केवल कानूनी या अवैध प्रवेश के दायरे में सीमित करना सही नहीं है। इसे मानवीय गरिमा, श्रम अवसरों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझना आवश्यक है। यही कारण है कि यह रपट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि विश्व व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

प्रवासन मानव सभ्यता के इतिहास जितना पुराना है। लोग सदियों से जल, भूमि, व्यापार, सुरक्षा और अवसरों की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहे हैं। आधुनिक युग में प्रवासन के स्वरूप अधिक जटिल हो गए हैं। आज इसे व्यापक रूप से दो भागों में बांटा जा सकता है- आंतरिक प्रवासन और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन। आंतरिक प्रवासन में लोग अपने ही देश के भीतर गांव से शहर, एक राज्य से दूसरे राज्य या पिछड़े क्षेत्र से विकसित क्षेत्र की ओर जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन में लोग दूसरे देशों की सीमाएं पार करते हैं। आर्थिक प्रवासी वे लोग होते हैं, जो बेहतर रोजगार और आय के लिए जाते हैं, जबकि शरणार्थी वे हैं, जो युद्ध, हिंसा या उत्पीड़न के कारण अपना देश छोड़ते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण विस्थापित होने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

आज प्रवासन संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि श्रम की वैश्विक मांग बढ़ी है, लेकिन सुरक्षित गतिशीलता के रास्ते सीमित हुए हैं। अनेक विकसित देशों को श्रमिकों की आवश्यकता है, फिर भी उनकी आव्रजन नीतियां कठोर होती जा रही हैं। वीजा नियमों की जटिलता, सीमित श्रम कोटा, लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया और राजनीतिक दबाव लाखों लोगों को अनियमित मार्गों की ओर धकेलते हैं। यही कारण है कि भूमध्य सागर, सहारा रेगिस्तान, अमेरिका-मेक्सिको सीमा, बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर जैसे मार्ग दुनिया के सबसे खतरनाक रास्तों में बदल चुके हैं। लोग छोटी और असुरक्षित नौकाओं में समुद्र पार करते हैं, रेगिस्तानों में बिना भोजन-पानी के चलते हैं, जंगलों से गुजरते हैं या मानव तस्करों पर निर्भर होते हैं। महिलाएं और बच्चे विशेष रूप से असुरक्षित रहते हैं। यौन हिंसा, जबरन श्रम, फिरौती, अपहरण और मानव तस्करी जैसी घटनाएं लगातार सामने आती हैं। यह संकट केवल अपराधी गिरोहों का परिणाम नहीं, बल्कि उन नीतिगत व्यवस्थाओं का भी नतीजा है, जो सुरक्षित प्रवासन के अवसर उपलब्ध नहीं करातीं। प्रवासन मामले में जब कानूनी रास्ते बंद होते हैं, तो अवैध संजाल फलते-फूलते हैं।

प्रवासन का मानवीय प्रभाव सबसे गहरा और सबसे कम समझा गया आयाम है। किसी प्रवासी की मृत्यु केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती। वह पूरे परिवार की आर्थिक संरचना को तोड़ देती है। अनेक परिवार अपने सदस्य को विदेश भेजने के लिए ऋण लेते हैं, जमीन गिरवी रखते हैं या जीवन भर की बचत लगा देते हैं। यदि वही व्यक्ति यात्रा में लापता हो जाए या उसकी मौत हो जाए, तो परिवार कर्ज और आर्थिक संकट में डूब जाता है। बच्चों की पढ़ाई छूट सकती है, बुजुर्गों की देखभाल रुक सकती है और परिवार की आय समाप्त हो सकती है। लापता होने की स्थिति और भी पीड़ादायक होती है, क्योंकि परिजन वर्षों तक प्रतीक्षा करते रहते हैं। महिलाओं पर इसका बोझ अधिक पड़ता है, क्योंकि उन्हें परिवार की जिम्मेदारी अकेले उठानी पड़ती है।

प्रवासी महिलाओं की स्थिति और भी जटिल होती है। घरेलू काम, देखभाल सेवा या अनौपचारिक क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं को कम वेतन, लंबा कार्य समय, यौन उत्पीड़न और कानूनी सुरक्षा की कमी का सामना करना पड़ता है।

देश का नया अन्न भंडार बनता मध्यप्रदेश

पंजाब-हरियाणा के वर्चस्व को चुनौती, किसान हितों की नई राजनीति गढ़ रहे डॉ.मोहन यादव

कृष्णमोहन झा

देश में जब भी सरकारी गेहूं खरीदी की चर्चा होती थी तो सबसे पहले पंजाब और हरियाणा का नाम लिया जाता था। हरित क्रांति के बाद इन दोनों राज्यों ने दशकों तक देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ के रूप में अपनी भूमिका निभाई। बाद के वर्षों में राजस्थान और उत्तरप्रदेश भी इस व्यवस्था का हिस्सा बने, लेकिन आज जिस राज्य ने सबसे तेज़ी से अपनी स्थिति मजबूत की है, वह मध्यप्रदेश है।

10 मई 2026 तक मध्यप्रदेश में गेहूं खरीदी के जो आंकड़े सामने आए हैं, वे केवल प्रशासनिक सफलता की कहानी नहीं कहते, बल्कि यह संकेत भी देते हैं कि प्रदेश अब राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा व्यवस्था का नया केंद्र बनता जा रहा है।

अब तक राज्य में 14 लाख 82 हजार 865 स्लॉट आरक्षित किए जा चुके हैं। 10 लाख 959 किसानों ने अपनी उपज बेची है। कुल 63 लाख 19 हजार 675 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी हो चुकी है। राज्य की अधिकतम खरीदी क्षमता 1 करोड़ 22 लाख 28 हजार 122 मीट्रिक टन तक पहुंच चुकी है। किसानों को अब तक 11 हजार 623 करोड़ 43 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। केवल एक दिन पहले ही *55 हजार 380 किसानों से 4 लाख 86 हजार 368 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया।

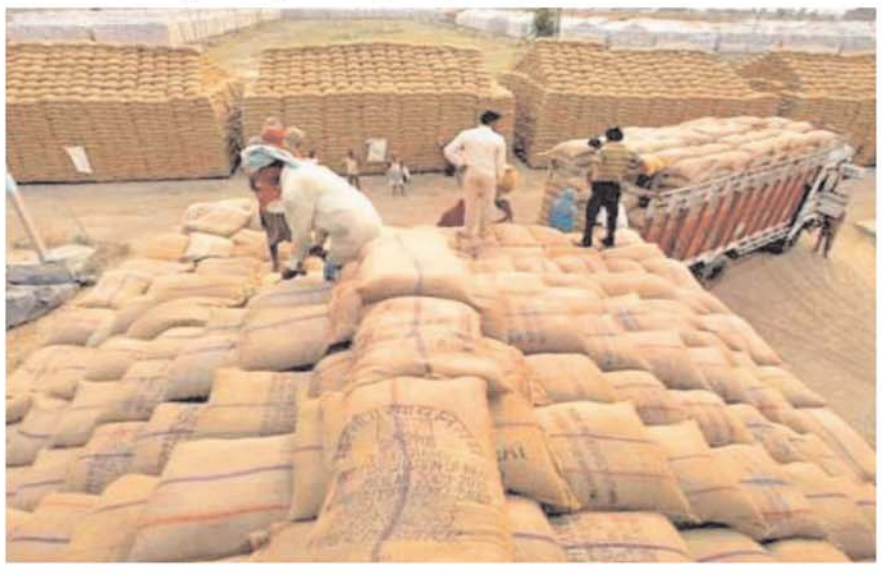

इन आंकड़ों की तुलना यदि अन्य राज्यों से की जाए तो मध्यप्रदेश की उपलब्धि और अधिक स्पष्ट हो जाती है। पंजाब में इस वर्ष लगभग 122 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य रखा गया है और वह अभी भी देश में शीर्ष पर है। हरियाणा में लगभग 70 लाख मीट्रिक टन के आसपास खरीदी हो रही है। राजस्थान का लक्ष्य लगभग 21 लाख मीट्रिक टन है, जबकि उत्तरप्रदेश लगभग 10 लाख मीट्रिक टन के आसपास है। बिहार, गुजरात, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में सरकारी गेहूं खरीदी बेहद सीमित है।

स्पष्ट है कि पंजाब के बाद यदि कोई राज्य सबसे तेज़ी से अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है तो वह मध्यप्रदेश है।

पहले केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश के लिए 78 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया था, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के लगातार प्रयासों के बाद यह लक्ष्य बढ़ाकर एक करोड़ मीट्रिक टन* कर दिया गया। यह केवल आंकड़ों में वृद्धि नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार को मध्यप्रदेश की कृषि क्षमता और यहां की खरीदी व्यवस्था पर भरोसा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मुख्यमंत्री केवल बैठकों और घोषणाओं तक सीमित नहीं हैं। वे लगातार खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। खरगौन के कतरगांव से लेकर शाजापुर के मकोड़ी तक उनका अचानक पहुंचना यह संदेश देता है कि सरकार किसान हितों के मामले में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं करेगी।

उन्होंने स्वयं तौल व्यवस्था देखी, बारदाने की उपलब्धता की समीक्षा की, किसानों से सीधा संवाद किया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। खरीदी अवधि बढ़ाने का निर्णय भी इसी संवेदनशीलता को दर्शाता है।

यह सक्रियता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मध्यप्रदेश वर्ष 2017 के मंदसौर किसान आंदोलन के राजनीतिक प्रभाव को भूल नहीं सकता। उस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया था कि किसान केवल घोषणाओं से संतुष्ट नहीं होता। उसे समय पर खरीदी, समय पर भुगतान और सम्मानजनक व्यवहार चाहिए।

मोदी सरकार द्वारा मध्यप्रदेश को बढ़ा हुआ खरीदी लक्ष्य दिया जाना और राज्य सरकार की लगातार जमीनी निगरानी यह दर्शाती है कि केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय है।

आज जब कई राज्यों में किसान खरीदी व्यवस्था को लेकर शिकायत कर रहे हैं, तब मध्यप्रदेश एक सफल मॉडल के रूप में उभर रहा है। यदि यही गति बनी रही तो आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश केवल देश का सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक राज्य ही नहीं, बल्कि सबसे बड़ा सरकारी गेहूं खरीदी राज्य भी बन सकता है।

यह केवल कृषि क्षेत्र की उपलब्धि नहीं होगी, बल्कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व की एक बड़ी प्रशासनिक और राजनीतिक सफलता के रूप में भी दर्ज होगी।

तुलसी की माया

पूरी कॉलोनी में तुलसी के काम की चर्चा बनी रहती। कालोनी की सभी महिलाएं चाहतीं, तुलसी मेरे घर काम करने लगे। पर वाह रे तुलसी, महीने में छः दिन का गोल ऐसे ही मार देती।

कभी -कभी महीने में छः दिन ही काम पर आती तब भी कोई उसे अपने घर से काम से अलग नहीं करता।

छुट्टी मारने की उसकी अदा को कोई भांप नहीं सकता। उसकी हर चाल में सम्मोहन रहता जो सीधे घर मालकिन पर ही असर करता। किसी भी घर के पुरुष की यह हिम्मत नहीं रहती कि तुलसी के विपरीत दो शब्द कंठ से निकल जाए।

इन सब के बावजूद कॉलोनी में तुलसी का आकर्षण बना रहता। उसमें कोई विशेष योग्यता नहीं फिर भी अपने व्यवहार के कारण वह लोकप्रिय हो चुकी थी। उसके मीठे बोल सबको अपनी ओर आकर्षित कर लेते। जीवन उतार -चढ़ाव का ही नाम है। किसी रूप में धन कमाने की चाहत हर व्यक्ति में निहित रहना मनुष्य की जीवंत प्रवृत्ति का हिस्सा है। इसी चाह में तुलसी एक कम्पनी में अभिकर्ता बनती है और बिजनेस चैनल बनाने को आतुर हो जाती है। अब वह उसी कार्य में व्यस्त रहने लगी। अपने सगे, परिचितों से मिलकर अपनी आय को बढ़ाने की जद्दोजहद में कॉलोनी में बनी उसकी साख पर विपरीत प्रभाव होने लगा। वह कहीं - कहीं कर्ज लेकर अपने व्यवसाय को बढ़ाने का यत्न करने लगी थी।पहले उसकी स्फूर्ति, मीठे बोल और किसी काम को ना नहीं कहने की उसकी प्रवृत्ति उसकी खूबसूरती थी, जिसकी कायल कॉलोनी की हर महिला थी। तुलसी अब जीवन की ढलती शाम की तरह हो चुकी थी।

वही तुलसी जिसकी माया हमेशा बनी रही, वह धीरे -धीरे विलुप्त होने लगी। व्यावहारिक रूप में उसकी साख समाप्त हो चुकी थी। लोग व्यक्ति का वही रूप पसंद करते हैं, जो उनके लिए सुविधाजनक होता है।

गजेंद्र बख्शी
रिद्धि- सिद्धि कॉलोनी
राजनांदगांव

समर कैंप और गैर शिक्षकीय कार्यों के विरोध में शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन, शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने उठाई मांग, कहा- भीषण गर्मी में बच्चों और शिक्षकों पर बढ़ रहा दबाव

बीजापुर/मूक पत्रिका

भीषण गर्मी के बीच समर कैंप और ब्रिज कोर्स संचालित किए जाने के विरोध में शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले जिले के विभिन्न शिक्षक संगठनो ने नवपदस्थ कलेक्टर विश्वदीप से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान शिक्षकों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर कलेक्टर का स्वागत भी किया। इसी मांग को लेकर जिला पंचायत सीईओ और जिला शिक्षा अधिकारी को भी ज्ञापन दिया गया।शिक्षकों ने ज्ञापन में कहा कि राज्य शासन ने बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए 20 अप्रैल से 15 जून तक स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया है। साथ ही शिक्षकों के लिए भी 1 मई से 16 जून तक अवकाश लागू किया गया है। इसके बावजूद जिला शिक्षा कार्यालय की ओर से समर कैंप और ब्रिज कोर्स संचालित कर बच्चों को स्कूल बुलाया जा रहा है तथा शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जा रही है।संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि तेज गर्मी में बच्चों से खेल, योग, डांस जैसी गतिविधियां कराना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने आगे बताया कि शिक्षकों से पहले से ही जनगणना, तेंदूपत्ता, बस्तर मुन्ने और अन्य गैर शिक्षकीय कार्य कराए जा रहे हैं। कई शिक्षकों को एक साथ दो से तीन जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिससे मानसिक दबाव लगातार बढ़ रहा है।शिक्षकों ने यह भी कहा कि हाल के दिनों में गर्मी और तनाव के कारण दो शिक्षक गंभीर रूप से बीमार हुए, जिनमें ब्रेन हेमरेज और मृत्यु जैसी घटनाएं भी सामने आई हैं। इसके बावजूद समर कैंप और ब्रिज कोर्स के आदेश जारी करना शिक्षकों के लिए चिंता का विषय है। संघ ने प्रशासन से मांग की है कि समर कैंप और ब्रिज कोर्स को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। मांग पूरी नहीं होने पर राज्य संगठन, उच्च अधिकारियों और सचिवालय स्तर पर शिकायत करने की चेतावनी भी दी गई है।ज्ञापन सौंपने के दौरान कामेश्वर दुब्बा, कैलाश रामटेके, राजेश मिश्रा, बृजलाल पूजारी, महेश यालम, रमन झा, विजय चापड़ी, सुरेश गोटा, प्रदीप साहनी, नागेश गोरला, मोहसिन खान, पुरुषोत्तम कुडमूल, बीरा रामचंद्रम, रमेश कारम, हितेंद्र दुर्गम सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

मुख्य मांगें

समर कैंप और ब्रिज कोर्स तत्काल बंद किया जाए

गर्मी में बच्चों को स्कूल बुलाने पर रोक लगे

शिक्षकों से गैर शिक्षकीय कार्य लेना बंद हो

शासन के ग्रीष्मकालीन अवकाश आदेश का पालन किया जाए

शिक्षकों ने क्या कहा

÷भीषण गर्मी में लगातार फील्ड ड्यूटी और अतिरिक्त जिम्मेदारियों से शिक्षक मानसिक दबाव में हैं। ऐसे समय में समर कैंप चलाना उचित नहीं है।÷

ओडिशा से मध्यप्रदेश ले जाया जा रहा था गांजा, सरिया पुलिस ने 2 तस्करों को दबोचा..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले में अवैध नशे के कारोबार पर सरिया पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में सरिया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 10 किलो गांजा के साथ दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से गांजा, मोटरसाइकिल और मोबाइल समेत करीब 1 लाख 40 हजार रुपये का सामान जब्त किया है।जानकारी के अनुसार पुलिस विभाग के निर्देशन में जिलेभर में अवैध कारोबार पर कार्रवाई की जा रही है। इसी दौरान 12 मई 2026 को सरिया पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक काले रंग की हीरो होंडा एचएफडीलक्स बाइक में दो युवक ओडिशा से गांजा लेकर छत्तीसगढ़ होते हुए मध्यप्रदेश की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी एन एल राठिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कार्रवाई की। जांच के दौरान बाइक सवार दो युवकों को रोककर तलाशी ली गई। उनके पास रखे बैग से खाकी टेप में लिपटा करीब 9 किलो 875 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत लगभग 90 हजार रुपये बताई जा रही है।पुलिस ने आरोपी गणेश ठाकुर पिता आशाराम ठाकुर उम्र 29 वर्ष और अवि घोसी पिता प्रहलाद घोसी उम्र 26 वर्ष, दोनों निवासी तेन्दुखेड़ा जिला दमोह (मध्यप्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से गांजा के अलावा एक मोटरसाइकिल और दो स्मार्ट मोबाइल भी जब्त किए गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सरिया में अपराध क्रमांक 96/2026 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक एन एल राठिया, एसआई कमल सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक मोहन गुप्ता, भोजराम नट, सुरेंद्र सिदार, आरक्षक मुकेश कश्यप, दिगम्बर पटेल और थाना सरिया स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध उत्खनन से परेशान ग्रामीण, कार्रवाई सिर्फकागजों तक सीमित

कटंगपाली/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में ऐसे बहुत प्रभावित गांव है जहां लोग आज भी आजादी के पूर्व की जीवन जैसे जीने को मजबूर है। बड़ी बड़ी बीमारियों का चंगुल में फंसते जा रहे है। वही बरमकेला क्षेत्र के साल्हेओना और कटंगपाली गांव में अवैध उत्खनन का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। पत्थर खदानों में नियमों को ताक पर रखकर हो रहे अवैध उत्खनन से आम जनमानस बेहद परेशान है। धूल, प्रदूषण और भारी वाहनों की आवाजाही ने ग्रामीणों का जीवन मुश्किल बना दिया है।ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजी खानापूर्ति कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल रहे हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार, अवैध खनन माफिया दिन-रात बेखौफ उत्खनन में लगे हुए हैं, जिससे पर्यावरण को भी भारी नुकसान हो रहा है। खेतों की उपजाऊ भूमि प्रभावित हो रही है और आसपास के क्षेत्रों में दरारें तक देखने को मिल रही हैं।ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि अगर समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक ठोस कदम उठाता है या फिर कार्रवाई सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेगी।

जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण शुरू, अच्छी गुणवत्ता पर मिलेगा बोनस

संग्राहकों को बीमा और मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति का भी लाभ

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण अभियान की शुरुआत हो गई है। जिला वनोपज सहकारी यूनियन बीजापुर के अंतर्गत 28 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों में संग्रहण कार्य शुरू किया गया है। जिले के 45 तेंदूपत्ता लॉटों के 582 फड़ों में इस साल खरीदी की जाएगी।

जानकारी के मुताबिक पामेड़, उसूर, हीरापुर, चेरामंगी, कोरसागुड़ा, ईलमिड़ी, देपला, भद्राकाली, सकनापल्ली, चेरपल्ली, मददेड़, बंदेपारा, पामगल, धनोरा, संतोषपुर, तोयनार, गुदमा, बरदेला, माटवाड़ा, भैरमगढ़, कोडोली, मिरतुर, कुटरु और करकेली समेत विभिन्न समितियों के तहत संग्रहण कार्य संचालित किया जा रहा है।शासन द्वारा तय दर के अनुसार ग्रामीणों से तेंदूपत्ता खरीदा जाएगा। समिति ने ग्रामीणों से अच्छी गुणवत्ता वाले चिकने, सपाट और बिना कटे-फटे पत्तों की 50-50 पत्तों की गड्डी बनाकर नजदीकी फड़ में बेचने की अपील की है।वनोपज सहकारी यूनियन के अनुसार अच्छी गुणवत्ता का तेंदूपत्ता बेचने वाले संग्राहकों को बोनस का लाभ भी मिलेगा। वहीं 500 गड्डी से अधिक संग्रहण करने वाले संग्राहकों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जाएगा। योजना के तहत परिवार के मुखिया की सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपए और दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपए तक सहायता राशि देने का प्रावधान है। परिवार के अन्य सदस्यों को भी आर्थिक सहायता मिलेगी। 5.50 रुपए प्रति गड्डी और 5500 रुपए प्रति मानक बोरा की दर से इसके अलावा मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति और शिक्षा प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। दसवीं और बारहवीं में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों के साथ व्यावसायिक और गैर-व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में पढ़ाई कर रहे छात्रों को भी इसका लाभ मिलेगा।

संग्राहकों को मिलेंगे ये लाभ

5.50 रुपए प्रति गड्डी की दर से खरीदी

अच्छी गुणवत्ता पर बोनस

500 गड्डी से अधिक संग्रहण पर सामाजिक सुरक्षा योजना

सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपये सहायता

दुर्घटना मृत्यु पर 4 लाख रुपये तक सहायता

मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति

वाडला पंचायत में लगा चलित थाना, ग्रामीणों को किया जागरूक साइबर अपराध, पॉक्सो और यातायात नियमों की दी जानकारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। भोपालपटनम थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत वाडला में मंगलवार को चलित थाना लगाकर ग्रामीणों को कानून, साइबर सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़ी जानकारियां दी गईं। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इसमें वाडला के साथ-साथ पोलेम, मट्टीमरका और पेटाबोगरा गांव के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।पुलिस विभाग द्वारा बीते कुछ दिनों से लगातार अलग-अलग ग्रामीण इलाकों में चलित थाना और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि दूरस्थ गांवों तक पहुंचकर लोगों को कानून, सुरक्षा और शासन की योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा सके।कार्यक्रम में थाना प्रभारी जीवन कुमार जांगड़े सहित पुलिस टीम मौजूद रही। ग्राम सरपंच लक्ष्मया तालांडी, वार्ड पंच कुरसम लक्ष्मी नारायण, ग्राम पटेल कोरम शिवराम, ग्राम मुखिया चिरमुल रामैयां सहित महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी कार्यक्रम में शामिल हुए। पुलिस टीम ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर विभिन्न अपराधों और सुरक्षा संबंधी विषयों पर जानकारी साझा की।चलित थाना के दौरान ग्रामीणों को हत्या, लूट, डकैती, चोरी, बलात्कार और पॉक्सो एक्ट जैसे गंभीर अपराधों के बारे में बताया गया। बच्चों और महिलाओं को गुड टच और बैड टच की जानकारी देकर सतर्क रहने की समझाइश दी गई।इसके साथ ही साइबर जागरूकता अभियान चलाकर डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन फ्रॉड, गुम मोबाइल और म्यूल अकाउंट जैसे मामलों की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को किसी भी संदिग्ध कॉल या ऑनलाइन लिंक से सावधान रहने की सलाह दी गई।कार्यक्रम में यातायात नियमों की जानकारी भी दी गई और लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को नक्सली गतिविधियों से दूर रहने तथा क्षेत्र में शांति और विकास बनाए रखने में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया।

ग्रामीणों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित करने की मांग की।

चलित थाना में दी गई जानकारियां

हत्या, लूट, डकैती और पॉक्सो एक्ट की जानकारी

बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में बताया गया

साइबर फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट से बचने के उपाय

यातायात नियमों के पालन की अपील

नक्सली गतिविधियों से दूर रहने का संदेश

सुशासन का असली चेहरा .. भोजन के लिए जनता के साथ कतार में खड़े नजर आए अधिकारी

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

प्रशासनिक आयोजनों में अक्सर अधिकारियों और आम जनता के बीच दूरी देखने को मिलती है, लेकिन घरघोड़ा के घरघोड़ी में आयोजित सुशासन त्योहार ने इस धारणा को बदलने का काम किया। यहां प्रशासन की ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने हजारों ग्रामीणों का दिल जीत लिया। अधिकारियों की सादगी, सहजता और जनता के प्रति अपनापन पूरे आयोजन का सबसे चर्चित पहलू बन गया।11 मई को आयोजित इस सुशासन त्योहार में क्षेत्र के हजारों ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और नागरिक शामिल हुए। शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने तथा जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए अलग-अलग विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। लोगों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं, जिनका मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास किया गया।कार्यक्रम का सबसे भावुक और सराहनीय दृश्य उस समय देखने को मिला, जब एसडीएम घरघोड़ा दुर्गा प्रसाद अधिकारी, तहसीलदार मनोज कुमार गुप्ता एवं शिवम पाण्डेय, नायब तहसीलदार सहोदर पैंकरा तथा जनपद पंचायत सीईओ विनय चौधरी सहित अन्य अधिकारी आम लोगों के साथ भोजन की लाइन में खड़े नजर आए। न कोई विशेष व्यवस्था, न कोई वीआईपी संस्कृति अधिकारीगण भी आम नागरिकों के साथ कतार में लगे, भोजन लिया और भोजन किया। अधिकारियों की यह सादगी और व्यवहार लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। ग्रामीणों ने कहा कि पहली बार किसी बड़े प्रशासनिक आयोजन में अधिकारियों को इतने सहज और सामान्य रूप में देखा गया। इससे प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास और अपनापन और अधिक मजबूत हुआ है। सुशासन त्योहार में भोजन, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की गई थी। प्रशासन का उद्देश्य केवल योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना नहीं, बल्कि जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को समझना और समाधान देना भी था। घरघोड़ा में देखने को मिली यह तस्वीर केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि संवेदनशील प्रशासन, सादगीपूर्ण नेतृत्व और जनता के साथ बढ़ते विश्वास की एक सकारात्मक मिसाल बनकर सामने आई।

विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण): वीबी-जी राम जी (विकसित भारत-जी राम जी) अधिनियम, 2025

बेमेतरा/मूक पत्रिका

विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 का उद्देश्य मजदूरी आधारित रोजगार को सतत विकास तथा विकसित भारत ङ्घ2047 के विजन के साथ जोड़ते हुए ग्रामीण रोजगार ढांचे (फ्रेमवर्क) में परिवर्तन लाना है। यह अधिनियम सभी ग्रामीण परिवारों के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में वैधानिक रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन करता है। यह ढांचा परिणामोन्मुख कार्यों तथा डिजिटल रूप से एकीकृत योजना के माध्यम से जल सुरक्षा, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका परिसंपत्तियों और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को प्राथमिकता देता है। बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, जियो-रेफरेंसिंग, डिजिटल निगरानी तथा समयबद्ध मजदूरी भुगतान के माध्यम से तकनीक-सक्षम प्रशासन (गवर्नेंस) का उद्देश्य पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करना है। अनिवार्य सोशल ऑडिट, संरचित निगरानी तंत्र और शिकायत निवारण प्रणाली इसके क्रियान्वयन को और सशक्त बनाते हैं। यह अधिनियम ग्रामीण रोजगार को सतत ग्राम विकास और स्थायी परिसंपत्ति निर्माण के एक उत्पादक प्रेरक के रूप में स्थापित करता है।

देश के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम का ऐतिहासिक क्रियान्वयन-भारत सरकार ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 को देश के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में 01/07/2026 से लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम के लागू होने के साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (महात्मा गांधी नरेगा), 2005 उसी तिथि से निरस्त हो जाएगा। यह भारत के ग्रामीण विकास के फ्रेमवर्क में एक ऐतिहासिक परिवर्तन है, जो विकसित भारतङ्घ2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप एक समेकित(इंटीग्रेटेड), भविष्य उन्मुख एवं उत्पादकता(प्रोडक्टिविटी) आधारित ग्रामीण परिवर्तन के नए युग का शुभारंभ करता है। इस अधिनियम का लागू होना पूर्ववर्ती महात्मा गांधी नरेगा व्यवस्था से एक आधुनिक ग्रामीण विकास संरचना की ओर ऐतिहासिक ट्रांजिशन का संकेत है, जो आजीविका सुरक्षा, स्थायी परिसंपत्ति निर्माण, तकनीक-सक्षम प्रशासन, कन्वर्जेंस-आधारित योजना और जलवायु अनुकूलनता को एक साथ जोड़ती है।यह अधिनियम प्रत्येक ग्रामीण परिवार, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के लिए स्वेच्छा से आगे आते हैं, को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के मजदूरी आधारित रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान करता है। इस बढ़ी हुई गारंटी से ग्रामीण परिवारों की आय, आजीविका सुरक्षा, ग्राम स्तर की अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) निर्माण और सतत ग्रामीण विकास को नई गति मिलने की अपेक्षा है। साथ ही, इसका उद्देश्य ऐसी स्थायी और उत्पादक ग्रामीण अवसंरचना का निर्माण करना है, जो जल सुरक्षा, ग्रामीण अवसंरचना, ग्रामीण आजीविका, स्थानीय आर्थिक विकास और जलवायु संबंधी चुनौतियों के विरुद्ध अनुकूलनता को मजबूत करे।

पृष्ठभूमि और सुधार की आवश्यकता

कई दशकों से मजदूरी-आधारित रोजगार कार्यक्रम भारत की ग्रामीण विकास रणनीति का अभिन्न हिस्सा रहे हैं, जिन्होंने अल्प-रोजगार और आजीविका असुरक्षा का सामना कर रहे ग्रामीण परिवारों को आय सहायता प्रदान की है।समय के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सामाजिक सुरक्षा के विस्तार, भौतिक और डिजिटल संपर्क में सुधार, वित्तीय समावेशन की वृद्धि और आजीविका के विविधीकरण के कारण महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। इन परिवर्तनों ने वर्तमान ग्रामीण रोजगार के फ्रेमवर्क को समकालीन आवश्यकताओं, आकांक्षाओं और विकसित भारतङ्घ2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप पुनर्संतुलित करने की आवश्यकता उत्पन्न की है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए आजीविका गारंटी के फ्रेमवर्क को मजबूत करने हेतु वैधानिक रोजगार गारंटी को एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन करने का प्रस्ताव किया गया है। इस बढ़ी हुई गारंटी का उद्देश्य ग्रामीण विकास की तीव्र गति को समर्थन देना, अधिक आय सुरक्षा प्रदान करना और विस्तारित रोजगार अवसरों के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाना है। तदनुसार, विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण): वीबीङ्कजी राम जी (विकसित भारत-जी राम जी) अधिनियम, 2025 नामक एक नया कानून बनाया गया है, ताकि विकसित भारतङ्घ2047 के विजन के अनुरूप आजीविका सुरक्षा को उत्पादकता, कन्वर्जेंस, अनुकूलनता और सतत परिसंपत्ति निर्माण के साथ एकीकृत करने वाला भविष्य-उन्मुख ग्रामीण विकास फ्रेमवर्क स्थापित किया जा सके।विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, 2025 एक व्यापक विधायी पुनर्संरचना है, जिसे ग्रामीण रोजगार को विकसित भारतङ्घ2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप बनाने के लिए तैयार किया गया है। संसद द्वारा दिसंबर 2025 में पारित यह अधिनियम दो दशक पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (महात्मा गांधी नरेगा), 2005 का स्थान लेता है। यह ग्रामीण रोजगार को एक स्वतंत्र कल्याणकारी हस्तक्षेप से आगे बढ़कर विकास और अनुकूलन आधारित अवसंरचना के एक समेकित साधन के रूप में स्थापित करता है।

बेहतर आजीविका गारंटी और श्रमिक-केंद्रित फ्रेमवर्क

इस अधिनियम की एक केंद्रीय विशेषता सभी ग्रामीण परिवारों के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में वैधानिक रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन करना है। यह बढ़ी हुई गारंटी आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने, आय की स्थिरता में सुधार करने, ग्रामीण उपभोग को समर्थन देने और कमजोर परिवारों को अधिक आर्थिक अनुकूलनता प्रदान करने के उद्देश्य से है। यह फ्रेमवर्क ÷रोजगार भी, सम्मान भी÷ के सिद्धांत पर आधारित है। इसका उद्देश्य केवल मजदूरी आधारित रोजगार उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि ग्रामीण श्रमिक दीर्घकालिक ग्राम विकास में योगदान देने वाली स्थायी और उत्पादक सार्वजनिक परिसंपत्तियों के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें। महात्मा गांधी नरेगा से नई व्यवस्था में ट्रांजिशन को भी निर्बाध एवं श्रमिक-अनुकूल बनाया गया है। वर्तमान ई-केवाईसी सत्यापित जॉब कार्ड तब तक मान्य रहेंगे, जब तक ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी नहीं हो जाते। जिन श्रमिकों के पास वर्तमान में जॉब कार्ड नहीं हैं, वे ग्राम पंचायत स्तर पर पंजीकरण और नए कार्ड जारी कराने हेतु आवेदन कर सकते हैं। केवल लंबित ई-केवाईसी के कारण किसी भी श्रमिक को रोजगार से वंचित नहीं किया जाएगा, तथा आवश्यक होने पर कार्यस्थलों सहित ई-केवाईसी पूर्ण कराने हेतु सुविधा तंत्र उपलब्ध कराया गया है।

श्रमिक मौखिक रूप से, मौजूदा फॉर्म-6 व्यवस्था के माध्यम से लिखित रूप में अथवा डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से रोजगार की मांग जारी रख सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के भीतर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, अन्यथा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार श्रमिक बेरोजगारी भत्ते के हकदार होंगे। बेरोजगारी भत्ता वित्तीय वर्ष के पहले तीस दिनों के लिए अधिसूचित मजदूरी दर के कम-से-कम एक-चौथाई तथा शेष अवधि के लिए कम-से-कम आधी मजदूरी दर के बराबर देय होगा। इससे रोजगार की कानूनी गारंटी और क्रियान्वयन ढांचे की जवाबदेही और मजबूत होगी।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होगा पत्रकारिता मार्तण्ड उत्सव

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किया उत्सव पोस्टर का विमोचन, सफल आयोजन की दी शुभकामनाएं

मूक पत्रिका/रायपुर 11 मई 2026/मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज उनके निवास कार्यालय में रायपुर प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 30 मई को आयोजित ÷पत्रकारिता मार्तण्ड उत्सव÷ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने ÷पत्रकारिता मार्तण्ड उत्सव÷ के पोस्टर का विमोचन भी किया।

प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी ने बताया कि यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा, लोकतंत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका तथा पत्रकारिता के योगदान को सम्मानित और स्मरणीय बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।उन्होंने जानकारी दी कि कार्यक्रम में प्रदेश एवं देश के वरिष्ठ पत्रकारों, संपादकों, मीडिया विशेषज्ञों, साहित्यकारों तथा विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों की सहभागिता रहेगी। आयोजन के अंतर्गत पत्रकार सम्मान, विचार गोष्ठी, विशेष व्याख्यान एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री आर. कृष्णा दास, प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष श्री गौरव शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेमेतरा में संतुलित उर्वरक उपयोग को लेकर विशेष जागरूकता अभियान शुरू

6डी.ए.पी. के अत्यधिक उपयोग वाले देश के 100 जिलों में शामिल बेमेतरा, किसानों को जैविक एवं संतुलित खेती के लिए किया जा रहा प्रेरित*

मूक पत्रिका/बेमेतरा, 12 मई 2026:- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा देश में सर्वाधिक डी.ए.पी. उर्वरक उपयोग करने वाले 100 जिलों की सूची में छत्तीसगढ़ का बेमेतरा जिला एकमात्र जिला शामिल किया गया है। वर्ष 2025 में जिले में कुल 27,381 मीट्रिक टन डी.ए.पी. की खपत दर्ज की गई, जो राज्य में सर्वाधिक रही। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा बेमेतरा जिले में 31 मई से 27 जून 2026 तक ÷संतुलित उर्वरक उपयोग विशेष जागरूकता अभियान÷ संचालित किया जा रहा है।

मिट्टी परीक्षण एवं अनुसंधान (आईजीकेवी रायपुर एवं आईसीएआर-एनबीएसएसएलयूपी, 2022) के अनुसार बेमेतरा की कृषि भूमि में फास्फोरस एवं पोटाश की उपलब्धता मध्यम से उच्च स्तर पर है, जबकि नत्रजन एवं जैविक कार्बन की मात्रा निम्न से मध्यम पाई गई है। ऐसे में किसानों को संतुलित एवं वैज्ञानिक उर्वरक उपयोग के प्रति जागरूक करने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग, बेमेतरा द्वारा राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी ÷विकसित कृषि संकल्प अभियान÷ के साथ संयुक्त रूप से विभिन्न ग्राम पंचायतों में प्रशिक्षण, कृषक संगोष्ठी, जागरूकता कार्यक्रम एवं विधि प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में विकासखंड बेमेतरा के ग्राम पंचायत लालपुर में संतुलित उर्वरक उपयोग विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि तकनीक अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), आईसीएआर जबलपुर से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रजनीश श्रीवास्तव ने किसानों को फसलों की उचित वृद्धि एवं बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक प्रमुख एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने पोषक तत्वों की कमी के लक्षणों पर प्रकाश डालते हुए बीजामृत, जीवामृत, हरी खाद, नील हरित काई, एजोस्प्रिलम, एजेटोबैक्टर, पी.एस.बी., के.एस.बी. एवं माइकोराईजा जैसे जैविक खाद एवं जैव उर्वरकों के उपयोग के लिए किसानों को प्रेरित किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बेमेतरा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री तोषण कुमार ठाकुर ने किसानों को पारंपरिक उर्वरकों यूरिया एवं डी.ए.पी. के अलावा एस.एस.पी., टी.एस.पी., एन.पी.के. कंसोर्टिया, 12:32:16, 20:20:0:13, 14:35:14, 10:26:26, 16:16:16 तथा 19:19:19 जैसे वैकल्पिक उर्वरकों की उपयोगिता की जानकारी दी। उन्होंने नैनो यूरिया (16त्न) एवं नैनो डी.ए.पी. (8:16त्न) के प्रभावी उपयोग पर भी जोर देते हुए बताया कि इनके पोषक तत्व फसलें आसानी से अवशोषित कर लेती हैं, जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ती है। उन्होंने यह भी बताया कि फसलों की पोषक तत्व आवश्यकता फसल के प्रकार, किस्म, उत्पादन लक्ष्य एवं मिट्टी की प्रकृति पर निर्भर करती है, जिसकी पूर्ति वैज्ञानिक तरीके से विभिन्न उर्वरकों के संतुलित उपयोग से की जा सकती है। वहीं एन.आई.बी.एस.एम. रायपुर की वैज्ञानिक डॉ. श्रावणी सान्याल ने असंतुलित उर्वरक उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति किसानों को जागरूक किया।

तकनीकी सत्र में केवीके की वैज्ञानिक डॉ. रजनी डी. अगाशे ने नील हरित काई उत्पादन तकनीक की जानकारी दी, जबकि वैज्ञानिक श्री डोमन सिंह टेकाम ने प्राकृतिक खेती के महत्व एवं उसके लाभों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री वी.के. टंडन ने किसानों को जैविक खेती अपनाने एवं टिकाऊ कृषि के लिए रासायनिक खाद पर निर्भरता कम करने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में किसान-वैज्ञानिक परिचर्चा आयोजित की गई, जिसमें किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं एवं तकनीकी प्रश्नों का समाधान विशेषज्ञों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री गजेन्द्र नवरंग, श्री लोचन प्रसाद ठाकुर, श्री माधव चंद्रवंशी, ग्राम पंचायत लालपुर के उपसरपंच श्री ऋतु साहू सहित 50 से अधिक कृषक उपस्थित रहे।

कैनन इंडिया ने नए हाई-स्पीड ए3 कलर एमएफडी और डॉक्यूमेंट स्कैनर के साथ अपना बिज़नेस पोर्टफोलियो बढ़ाया

नईदिल्ली। डिजिटल इमेजिंग सॉल्यूशंस में लीडर, कैनन इंडिया ने आज इमेजफोर्स सी3150 का लॉन्च किया। यह बड़े उद्यमों, एस.एम.ई, सरकारी संगठनों और कॉपी शॉप मालिकों के लिए बनाई गई एक हाई-परफॉर्मेंस ए3 कलर मल्टीफंक्शन डिवाइस है, जो प्रति मिनट 50 पेज तक का तेज कलर आउटपुट प्रदान करती है। इमेजफोर्स सी3150 भारी और बहुत ज्यादा मात्रा में प्रिंटिंग के लिए लगातार शानदार क्वालिटी, विश्वसनीयता और मीडिया फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करता है। कैनन द्वारा इमेजफोर्स सी3150 के लॉन्च का उद्देश्य प्रमुख क्षेत्रों एवं नए बाजारों में अपनी पहुँच व हिस्सेदारी बढ़ाना, तथा लगातार 10 वर्षों में लेज़र कॉपियर सेगमेंट में हासिल की गई अपनी नंबर 1 की स्थिति को और मजबूत करना है। इसके साथ ही, कैनन इंडिया ने अपने डॉक्यूमेंट डिजिटाइज़ेशन के पोर्टफोलियो में इमेजफॉर्मूला डी.आर-सी340 और डी.आर-सी 350 स्कैनर अल्ट्रा-कॉम्पैक्ट हाई-स्पीड डॉक्यूमेंट स्कैनर भी लॉन्च किए हैं। ये स्कैनर बहुत तेज, सटीक और भरोसेमंद स्कैनिंग करते हैं और एंटरप्राइज़, एस.एम.ई एवं सरकारी संगठनों को बड़ी मात्रा में डॉक्यूमेंट के डिजिटाइज़ेशन तथा जानकारी के वर्कफ्लो कोव्यवस्थित करने में समर्थ बनाते हैं। डी.आर-सी340 और डी.आर-सी-350 सुगम सिस्टम इंटीग्रेशन और एडवांस्ड इमेज प्रोसेसिंग के साथ ज्यादा तेज डिसीज़न-मेकिंग और पूरे एंटरप्राइज़ के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में मदद करते हैं। कैनन इंडिया के प्रेसिडेंट एवं सी.ई.ओ, श्री तोशियाकी नोमुरा ने कहा, कैनन इंडिया में हमारा उद्देश्य लगातार अपने बिज़नेस इमेजिंग पोर्टफोलियो को मजबूत बनाना है, ताकि हम भारत में मौजूद एंटरप्राइज़, संस्थानों और व्यवसायों की बदलती जरूरतों को पूरा कर सकें। इमेजफोर्स सी3150 ए3 कलर एमएफडी के लॉन्च से ग्राहकों को अपनी प्रिंटिंग क्षमता बढ़ाने में मदद करने के लिए बेहतरीन परफॉर्मेंस और भरोसेमंद समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। दूसरी तरफ, इमेजफॉर्मूला डीआर सी340 और डीआर सी350 स्कैनर डॉक्यूमेंट्स को डिजिटाईज़ करते हैं और इन्फॉर्मेशन वर्कफ्लो में तेजी लाते हैं। ये समाधान उत्पादकता में वृद्धि करने, प्रमुख क्षेत्रों में अपनी पहुँच बढ़ाने और भारत के लेज़र कॉपियर सेगमेंट में अपनी हिस्सेदारी को मजबूत बनाने के हमारे लक्ष्य को प्रदर्शित करते हैं। कैनन इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट, श्री सी. सुकुमारन ने कहा, भारत में बिज़नेस और कमर्शियल प्रिंट का क्षेत्र बहुत प्रतिस्पर्धी है, जिसमें ग्राहकों का विश्वास और दीर्घकालिक विकास कलर की क्वालिटी, स्पीड और कंसिस्टेंसी से तय होता है। इमेजफोर्स सी3150 का विकास हमने बाजार की इन्हीं जरूरतों को पूरा करने के लिए किया है, ताकि एंटरप्राइज़, एस.एम.ई और अन्य ग्राहक कमर्शियल प्रिंट के दैनिक कामों में भरोसेमंद, हाई क्वालिटी का कलर आउटपुट दे सकें और अपनी एप्लीकेशन क्षमताओं का विस्तार कर सकें। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, इमेजफॉर्मूला डीआर सी340 और डीआर सी350 स्कैनर, सरकारी, एंटरप्राइज़ और एस.एम.ई सेगमेंट में डॉक्युमेंट्स को डिजिटाइज़ करने की तेजी से बढ़ती हुईमांग को पूरा करते हैं। ये प्रोडक्ट्स संगठनों को डॉक्यूमेंट वर्कफ्लो को व्यवस्थित बनाने, ऑपरेशनल एफिशियंसी में सुधार लाने, और भारत में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए विस्तार योग्य और भविष्य के लिए तैयार इन्फ्रॉर्मेशन एनवायरनमेंट बनाने में मदद करते हैं।

सुशासन तिहार 2026 : जनसमस्या निवारण शिविर ग्राम नारायणपुर में किसनलाल दिवाकर को मिला श्रम कार्ड

शासन की पहल से श्रमिक को मिला सामाजिक सुरक्षा का संबल, जताई खुशी

मूक पत्रिका/बेमेतरा - प्रदेश शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रहा है। जिलेभर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित विकासखंड नवागढ़ के ग्राम नारायणपुर के समाधान शिविर में श्रमिक किसनलाल दिवाकर को श्रम कार्ड प्रदान किया गया, जिससे उनके चेहरे पर खुशी साफ झलकने लगी। श्रम कार्ड प्राप्त करने के बाद किसनलाल दिवाकर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं राज्य शासन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से श्रम कार्ड बनवाने की इच्छा थी, लेकिन जानकारी एवं प्रक्रिया के अभाव में यह कार्य नहीं हो पा रहा था। सुशासन तिहार के माध्यम से उनकी समस्या का समाधान हुआ और उन्हें श्रम विभाग की योजनाओं से जुड़ने का अवसर मिला।

उन्होंने बताया कि श्रम कार्ड मिलने से अब उन्हें शासन द्वारा श्रमिकों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा। इसके माध्यम से श्रमिक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सहायता, मातृत्व लाभ, शिक्षा सहायता एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि शासन की यह पहल श्रमिक वर्ग के लिए बड़ी राहत और सुरक्षा का माध्यम है।

शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने श्रमिकों को श्रम विभाग की योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन असंगठित श्रमिकों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रहा है, ताकि श्रमिक परिवारों का जीवन स्तर बेहतर हो सके।

ग्रामीणों ने कहा कि पहले छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के कई चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब शासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहा है और उनका त्वरित निराकरण कर रहा है। सुशासन तिहार के माध्यम से आमजन को योजनाओं का लाभ सरलता और पारदर्शिता के साथ मिल रहा है, जिससे लोगों में शासन एवं प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले में लगातार समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। शासन की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह और संतोष का वातावरण देखने को मिल रहा है।

कमलेश कुमार वर्मा को मिला 'छत्तीसगढ़ी छंद रतन' सम्मान

मूक पत्रिका/ बेमेतरा - छत्तीसगढ़ी साहित्य जगत के लिए गौरव का विषय है कि जिले के वरिष्ठ कवि श्री कमलेश कुमार वर्मा को उनकी उत्कृष्ट साहित्यिक कृति 'छंद कमल' हेतु 'छंद रतन सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 10 मई 2026 को रायपुर स्थित वृंदावन सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ी साहित्यिक संस्था 'छंद के छ' के दसवें स्थापना दिवस समारोह में प्रदान किया गया।

श्री वर्मा की काव्य कृति 'छंद कमल' छत्तीसगढ़ी छंदमय साहित्य की एक महत्वपूर्ण रचना है, जिसे छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा प्रकाशित किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सी. वी. रमन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अशोक तिवारी ने की।

समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती सरला शर्मा, सुधीर शर्मा एवं श्रीमती सपना निगम विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। संस्था के संस्थापक अरुण कुमार निगम (दुर्ग) ने श्री वर्मा को सम्मान प्रदान करते हुए उनके साहित्यिक योगदान की सराहना की।

इस उपलब्धि पर नगर पंचायत भिम्भौरी के वरिष्ठ रामकथा व्याख्याकार हरिश्चन्द्र वर्मा, नवयुवक मंडल भिम्भौरी के अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा, सुग्घर साहित्य समिति बेरला के अध्यक्ष नारायण प्रसाद वर्मा सहित अनेक साहित्यकारों एवं शुभचिंतकों ने कमलेश कुमार वर्मा को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

समाधान शिविर में किसानों को मिला लाभ, शासन की पहल से ग्रामीणों में खुशी का माहौल

सुशासन तिहार 2026 : दर्री के किसानों को मिला कृषि स्प्रेयर यंत्र, खेती कार्य हुआ आसान

मूक पत्रिका/बेमेतरा, 12 मई 2026/ प्रदेश शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 आमजन के लिए राहत और विश्वास का माध्यम बनता जा रहा है। जिलेभर में आयोजित समाधान शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करते हुए उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम दर्री में आयोजित समाधान शिविर किसानों के लिए विशेष लाभकारी साबित हुआ, जहां किसानों को कृषि कार्यों में उपयोगी कृषि स्प्रेयर यंत्र वितरित किए गए।

शिविर में कृषि विभाग द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराए गए, जिससे खेती कार्य को आसान एवं सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। कृषि स्प्रेयर यंत्र मिलने से किसानों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं राज्य शासन का आभार जताया। किसानों ने कहा कि शासन की यह पहल खेती-किसानी को आधुनिक बनाने के साथ-साथ किसानों की मेहनत और लागत दोनों को कम करने में सहायक सिद्ध होगी।

ग्रामीण किसानों ने बताया कि पहले फसलों में कीटनाशक एवं दवाइयों का छिड़काव करने में अधिक समय और मेहनत लगती थी, लेकिन अब कृषि स्प्रेयर यंत्र मिलने से यह कार्य तेजी और आसानी से किया जा सकेगा। इससे फसलों की बेहतर देखभाल होगी तथा उत्पादन बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। किसानों ने कहा कि शासन द्वारा गांव स्तर पर पहुंचकर इस प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराना ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत है।

समाधान शिविर में उपस्थित किसानों ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ सीधे ग्रामीणों तक पहुँच रहा है। पहले योजनाओं की जानकारी और लाभ प्राप्त करने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब प्रशासन स्वयं गांव पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर रहा है। इससे आमजन में शासन एवं प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को कृषि यंत्रों के उपयोग एवं रखरखाव की जानकारी भी दी तथा आधुनिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने बताया कि शासन किसानों की आय बढ़ाने एवं खेती को लाभकारी बनाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रहा है।

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले में लगातार समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के साथ-साथ उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। शासन की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह और संतोष का वातावरण देखने को मिल रहा है

ब्रीफ न्यूज

वैभव को तीनों प्रारुपों में खेलते देखना चाहिते हैं अश्विन

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे 15 साल के उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भविष्य का सितारा है। अश्विन ने ये भी कहा कि वह इस युवा को तीनो प्रारुपों में खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की सराहना करते हुए कहा, वह जिस प्राकर से सभी गेंदबाजों को निशाना बनाता है। उससे साफ है कि वह निडर है और किसी भी गेंदबाज को खेल सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि वैभव में टेस्ट क्रिकेट खेलने की भी क्षमताएं हैं। अश्विन ने कहा, उसे टेस्ट में जगह मिलेगी तो प्रशंसक स्वयं मैच देखने आएंगे क्योंकि वह दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करता है। उन्होंने वैभव के अंडर-19 विश्व कप फाइनल के प्रदर्शन को याद करते हुए कहा कि उसमें गेंद को पूरी ताकता से खेलने की क्षमताएं हैं।

ग्वालियर नहीं अब इंदौर में सजेगा क्रिकेट का महाकुंभ, एमपीएल-3 का शेड्यूल जारी

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खबर है। मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) के तीसरे सीजन का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इस बार भी मुकाबलों की मेजबानी इंदौर करेगा। पुरुष वर्ग का यह तीसरा सीजन होगा, जबकि महिला वर्ग की प्रतियोगिता दूसरे संस्करण में प्रवेश कर रही है। लीग के मुकाबले होलकर स्टेडियम और डेली कॉलेज मैदान पर खेले जाएंगे। इस दौरान पुरुष वर्ग में 48 और महिला वर्ग में 12 मुकाबले होंगे। बता दें, लीग के दोनों सत्र ग्वालियर के नवनिर्मित माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किए गये थे। पिछले सत्र में पुरुष वर्ग में भोपाल लेपर्ड्स की टीम ने चंबल घड़ियाल्स को दो रन से हराकर विजेता बनी थी। महिला वर्ग में चंबल घड़ियाल्स को बुंदलेखंड बुल्स ने 26 रन से हराकर पहला चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

आईपीएल में आज प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेंगे गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद

अहमदाबाद । आईपीएल में मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। दोनो ही टीमों ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 11 मैचों में 14 अंक हासिल किये है और बेहतर नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 14 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है। इनका लक्ष्य अब ये मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी अच्छी रही है और वह जीत की दावेदार है। उसके पास साई सुदर्शन और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज हैं।

नेपाल का दौरा कर सकती है इंग्लैंड क्रिकेट टीम, दोनों देशों के बीच सीमित ओवरों की सीरीज संभव

मुंबई। इंग्लैंड की क्रिकेट टीम आईसीसी के दौरा कार्यक्रम के 2027-31 के चक्र के दौरान सीमित ओवरों की सीरीज के लिए नेपाल का दौरा कर सकती है। भारत में टी20 विश्व कप के दौरान दोनों बोर्ड के बीच बैठक में इस पर चर्चा की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) भारत जैसे देश का दौरा करने से पहले नेपाल के खिलाफ उसकी धरती पर तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलने पर विचार कर रहा है।

दिल्ली-एनसीआर

टी20 विश्व कप में दोनों टीमों का हुआ था सामना

रिपोर्ट के अनुसार, इंग्लैंड की पुरुष टीम नेपाल का दौरा करने वाली शीर्ष स्तर की पहली अंतरराष्ट्रीय टीम बन सकती है, क्योंकि ईसीबी 2027-31 के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट चक्र में टी20 मैच की सीरीज की संभावना तलाश रहा है। टी20 विश्व कप के दौरान इंग्लैंड और नेपाल पहली बार एक दूसरे के खिलाफ खेले थे। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मैच में नेपाल ने इंग्लैंड को कड़ी चुनौती दी थी। इंग्लैंड ने यह मैच बमुश्किल चार रन से जीता था। नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल ने कहा है कि इंग्लैंड जैसी शीर्ष स्तर की टीम का दौरा स्थानीय खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा, यह बहुत मायने रखेगा, खासकर अगर ऑस्ट्रेलिया या इंग्लैंड की टीम नेपाल का दौरा करें। इससे विश्व क्रिकेट को पता चलेगा कि नेपाल भी क्रिकेट खेलता है और अच्छा क्रिकेट खेलता है। यह बेहद महत्वपूर्ण होगा।

दिल्ली ने पंजाब को तीन विकेट से हराया

अक्षर पटेल ने पीबीकेएस के खिलाफ पहला अर्धशतक लगाकर पूरे किए 2,000 रन

अक्षर और मिलर के अर्धशतक

धर्मशाला । पंजाब की लगातार चौथी हार:दिल्ली 3 विकेट से जीती, अक्षर-मिलर के अर्धशतक, स्टार्क-माधव ने 2-2 विकेट लिए

आईपीएल में सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स ने रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हरा दिया। पंजाब की यह लगातार चौथी हार रही। धर्मशाला के ॥ एचपीसीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। पंजाब ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 210 रन बनाए, लेकिन दिल्ली ने 19वें ओवर में 7 विकेट खोकर टारगेय हासिल कर लिया।

श्रेयस-प्रियांश के अर्धशतक

पंजाब के लिए श्रेयस अय्यर और प्रियांश आर्या ने अर्धशतक लगाए। श्रेयस ने 36 बॉल नाबाद 59 और प्रियांश ने 33 बॉल पर 56 रन की पारी खेली। सूर्यांश शेडगे 8 बॉल पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे। इनके अलावा कूपर कोनोली ने 38 और प्रभसिमरन सिंह ने 18 रन बनाए। दिल्ली के ओर से मिचेल स्टार्क और माधव तिवारी ने 2-2 विकेट लिए। मुकेश कुमार को 1 विकेट मिलादल्ली ने जीता मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हरा दिया। सोमवार को खेले गए मुकाबले में पंजाब ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19 ओवर में सात विकेट पर 216 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मिलर अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट

दिल्ली को छठा झटका ड्वार्शुइस ने दिया। उन्होंने डेविड मिलर को प्रभसिमरन के हाथों कैच कराया। वह 51 रन बनाकर आउट हुए। अब आशुतोष का साथ देने माधव तिवारी आए हैं।

अक्षर अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट

दिल्ली को पांचवां झटका स्टोइनिस ने दिया। उन्होंने अक्षर पटेल को पवेलियन भेजा। वह 30 गेंदों में 56 रन बनाकर आउट हुए। अब डेविड मिलर का साथ देने आशुतोष शर्मा आए हैं।

दिल्ली को चौथा झटका स्टब्स के रूप में लगा। उन्हें कोनोली ने रनआउट किया। वह 12 रन बनाकर आउट हुए। अब अक्षर का साथ देने मिलर आए हैं। नौ ओवर के बाद स्कोर चार विकेट पर 76 रन है।

दिल्ली को तीसरा झटका अर्शदीप ने दिया। उन्होंने साहिल को चहल के हाथों कैच कराया। वह 13 रन बनाकर आउट हुए। अब स्टब्स का साथ देने अक्षर पटेल आए हैं।

दिल्ली को दूसरा झटका अर्शदीप ने दिया। उन्होंने केएल राहुल को यानसेन के हाथों कैच कराया। वह सिर्फ नौ रन बना पाए। अभ साहिल का साथ देने स्टब्स आए हैं।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं।

मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं।

ईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

ढ़ाका । बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी में उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं उिससे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज़ में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी।

फीफा वर्ल्ड कप में यलो फीवर:हिट गाने 'यलो' की तर्ज पर 9 देशों की किट का रंग पीला

न्यूयॉर्क। मेरिका, मैक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 48 टीमों के फीफा वर्ल्ड कप में इस बार एक खास रंग का खुमार सिर चढ़कर बोल रहा है। यह रंग है पीला। दुनिया के मशहूर रॉक बैंड 'कोल्डप्ले' के सुपरहिट गाने 'यलो' की तर्ज पर इस बार 9 देशों ने अपनी होम या अवे किट के लिए सुनहरे और पीले रंग को चुना है। दिलचस्प बात यह है कि वर्ल्ड कप फाइनल के हाफ-टाइम शो में यही कोल्डप्ले बैंड अपनी धुनों का जादू बिखेरता नजर आएगा। पीली जर्सी का जिक्र हो और ब्राजील का नाम न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। बास्केटबॉल लेजेंड माइकल जॉर्डन के साथ कोलैबोरेशन वाली जर्सी के भारी बज के बावजूद, ब्राजील की असली पहचान उसकी पारंपरिक 'क्लीन यलो' होम जर्सी ही है, जो इस बार भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। वहीं, दक्षिणी गोलार्ध के रग्बी दिग्गज देश ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका भी अपनी पारंपरिक 'यलो-गोल्ड' जर्सी में नजर आएंगे। ऑस्ट्रेलिया को मेजबान अमेरिका, पराग्वे और तुर्किए के साथ रखा गया है, जहां उन पर खासी नजर रहेगी। वहीं, दक्षिण अफ्रीकी टीम मैक्सिको की धरती पर चेक रिपब्लिक और दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा।

बुलगारिया में गीरो डि इटालिया साइकिल रैस में पॉल मैगनर अन्य प्रतियोगियों से आगे निकलकर फिनिश लाइन पार करते हुए।

मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए

बार्सिलोना ने 29वां ला लीगा खिताब जीता:रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया

मुंबई। बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग 'ला लीगा' का खिताब फिर जीत लिया। रविवार को एल क्लासिको में टीम ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने सीजन के तीन मैच बाकी रहते अपनी 29वीं ला लीगा ट्रॉफी पक्की कर ली। मैच में मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए।

जीत के बाद बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच अंकों का अंतर 14 हो गया, जिसे पार करना रियल मैड्रिड के लिए नामुमकिन है। यह मुकाबला बार्सिलोना के घरेलू मैदान कैंप नाउ पर खेला गया।

भावुक हुए खिलाड़ी: हेड कोच के पिता को समर्पित की जीत

मैच के दौरान बार्सिलोना के खिलाड़ियों ने भावुक संदेश दिया। गोल करने के बाद मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस हेड कोच हंसी फ्लिक के पास गए और उन्हें गले लगाया। कोच फ्लिक के पिता का पिछले वीकेंड निधन हुआ था। खिलाड़ियों ने जीत और गोल को कोच और उनके परिवार को समर्पित किया।

रशफोर्ड का जादू: फ्री-किक से शुरुआत, भविष्य पर सस्पेंस

मैच की शुरुआत में मैनचेस्टर यूनाइटेड से लोन पर आए मार्कस रशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक से बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन का उनका 14वां गोल था।

हालांकि, बार्सिलोना उन्हें 28 मिलियन पाउंड (करीब ?300 करोड़) में परमानेंट खरीदेगा या नहीं, इस पर सस्पेंस बना हुआ है। मैच के बाद रशफोर्ड ने कहा,'मैं कोई जादूगर नहीं हूं, लेकिन अगर होता तो बार्सिलोना में ही रुक जाता। देखते हैं भविष्य में क्या होता है।' होम ग्राउंड पर अजेय रही बार्सिलोना, 18 में 18 मैच जीते

इस सीजन में बार्सिलोना ने घरेलू मैदान 'कैम्प नोऊ' में खेले सभी 18 मुकाबले जीते हैं। टीम पिछले 11 मैचों से अजेय है और लीग के सभी 35 मैचों में गोल करने का रिकॉर्ड भी बनाया है।

बार्सिलोना अब सबसे ज्यादा 36 ला लीगा खिताब जीतने वाली रियल मैड्रिड से 7 खिताब पीछे है।

रियल मैड्रिड की मुश्किल बढ़ी: ड्रेसिंग रूम विवाद और खराब फॉर्म

दूसरी ओर, रियल मैड्रिड के लिए यह हार दर्दनाक रही। कोच अल्वारो अर्बेलोआ के मार्गदर्शन में टीम संघर्ष करती नजर आई। टीम के अंदरूनी हालात भी ठीक नहीं हैं।

मैच से कुछ दिन पहले ऑरेलियन टचौमेनी और फेडेरिको वाल्वरडे के बीच बहस हुई थी। इसमें वाल्वरडे को चोट लगी और वे मैच नहीं खेल पाए। पूरे 90 मिनट में रियल मैड्रिड केवल एक शॉट टारगेट पर मार सकी।

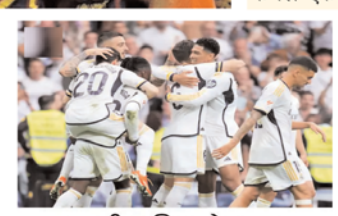

ला लीगा की सबसे सफल टॉप-5 टीम (1929 से 2026 तक)

क्लब	ट्रॉफी
रियल मैड्रिड	36
बार्सिलोना	29
एटलेटिको मैड्रिड	11
एथलेटिक बिलबाओ	8
वालेंसिया	6

ला लीगा 2026 में टॉप-5 में रहने वाली टीमें

रैंक	क्लब	मैच	जीत	ड्रॉ	हार	पॉइंट
1	बार्सिलोना	35	30	1	4	91
2	रियल मैड्रिड	35	24	5	6	77
3	विलारियल	35	21	6	8	69
4	एटलेटिको मैड्रिड	35	19	6	10	63
5	रियल बेटिस	35	13	15	7	54

कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने सुशासन तिहार शिविर में समय पर अधिकारियों को पहुंचने और आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने की जिले के विकास कार्यों की समीक्षा

जनगणना कार्य को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में समय सीमा की बैठक ली। उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन, जनशिकायत, ई-समाधान, कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदन के निराकरण के लिए अवैध ईट भट्ठों, शासकीय भूमि में अवैध कब्जा और नवनिर्माण पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सारंगढ़ के झरियापारा और शताब्दी कॉम्प्लेक्स में आवश्यक बुनियादी सुविधा मुहैया कराने के लिए सीएमओ को निर्देश दिए। स्वेच्छानुदान वाले प्रकरण का निराकरण शीघ्र करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अग्निशमन फायर ब्रिग्रेड कार्यालय नवीन फायर स्टेशन हेतु जमीन आवंटन के लिए तहसीलदार को निर्देश दिए। पीएम आवास निर्माण के संबंध में कलेक्टर ने जिले के सभी जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि पीएम आवास का निर्माण हितग्राही के स्वामित्व वाली भूमि पर करें। अवैध सरकारी कब्जा वाले भूमि पर निर्माण कार्य नहीं होना चाहिए। कलेक्टर पदमिनी ने अब तक सुशासन तिहार में प्राप्त 6 हजार आवेदनों के 5930 ऑनलाइन एन्ट्री के निराकरण की जानकारी ली और गुणवत्ता के साथ के निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही आगामी 10 जून तक सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को सुबह 11 बजे से शिविर वाले स्थान में उपस्थित रहने के निर्देश दिए और अनुपस्थित रहने पर कार्यवाही करने की बात कही। उन्होंने सभी प्रभारी अधिकारियों को पंडाल बड़ा बनाने के निर्देश दिए ताकि सुव्यवस्थित रूप से नागरिक अपने आवेदन का पंजीयन आसानी से करा सकें। साथ ही शिविर में पेयजल व्यवस्था अनिवार्य रूप से उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जनगणना कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। जनगणना कर्मी को शालीन व्यवहार करने और कोई विवाद की स्थिति होने पर तत्काल निराकरण करने के लिए तहसीलदार और सीएमओ को निर्देश दिए। टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 के तहत सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले से टीबी मरीज के इलाज में सहयोग के लिए कलेक्टर ने समाजसेवियों को निक्षय मित्र बनने के लिए अपील करते हुए कहा कि यह सामाजिक कार्य है, जिसमें समाजसेवियों की जरूरत है और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। जिले में निर्माण कार्यों का समीक्षा करते हुए बुधवार को निर्माण स्थल का अवलोकन का रूपरेखा बनाया। इसमें नवीन जिला संयुक्त कार्यालय, जिल अस्पताल, सीएमएचओ कार्यालय, एसडीएम, तहसीलदार, कार्यालय, आदिवासी हॉस्टल का जीर्णोद्धार शामिल है। इसी प्रकार पूर्ण कार्यों के लोकार्पण कार्यों की सूची जिला पंचायत सीईओ को प्रदान करने के लिए कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने पीएम आवास ग्रामीण और शहरी के प्रगति, स्वनिधि योजना, आंगनबाड़ी निर्माण, महतारी वंदन में ईकेवासी, 3 विकास प्राधिकरण मद (मध्य क्षेत्र आदिवासी, छत्तीसगढ़ राज्य ओबीसी क्षेत्र, अनुसूचित जाति), सांसद आदर्श ग्राम योजना मद और धरती आबा के तहत जिले में अब तक प्रगतिरत विकास कार्यों की कलेक्टर ने समीक्षा किया। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा सरिया में अमृत मिशन 2.0, सारंगढ़, बरमकेला और बिलाईगढ़ जल आवर्धन योजना, समूह जल प्रदाय योजना और हर घर जल के प्रगतिरत कार्यों की जानकारी ली और बरसात के पहले सभी नल कनेक्शन के कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जाति प्रमाण पत्र, ई-डिस्ट्रिक्ट सेवा, पीएम किसान सम्मान निधि का ईकेवायसी और एग्रीस्टेक पंजीयन, फौती नामांतरण, खाद वितरण, डबल लॉक में खाद भंडारण, मृदा स्वास्थ्य परीक्षण, बीज भंडारण, ग्रीष्मकालीन धान के बदले अन्य फसल, पीएम आशा योजना, पीडीएस राशन की उपलब्धता, भंडारण, समाज कल्याण विभाग द्वारा पेंशन वितरण, पीएमसूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, नवीन विद्युत उपकेन्द्र के लिए भूमि आवंटन और ई-आफिस में सभी विभागों को सरकारी कार्य को ऑनलाइन करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं 88 आवेदन प्राप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

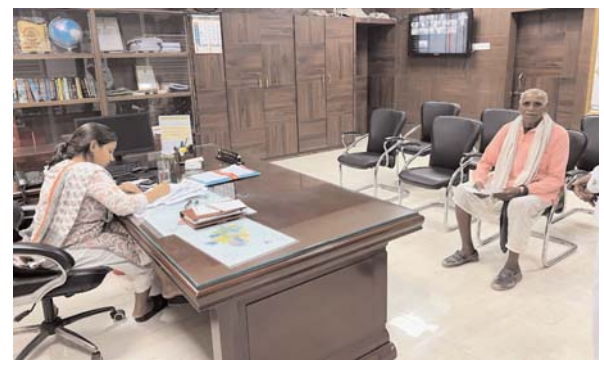

जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टरेट में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया।आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 88 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चालित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

रेत से भरे 02 वाहन एवं मुरुम उत्खनन में संलिप्त 01 जेसीबी जप्त, 57 हजार रुपये अर्थदण्ड की कार्रवाई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) द्वारा 09 मई 2026 से 11 मई 2026 तक विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया गया। खनिज विभाग की टीम द्वारा ग्राम कड़रका एवं चन्दनू क्षेत्र में अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए जाने पर 02 वाहनों को जप्त किया गया। वहीं ग्राम बिरनपुर में अवैध मुरुम उत्खनन करते पाए जाने पर 01 जेसीबी वाहन को भी जप्त कर कार्रवाई की गई। जप्त वाहनों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23-ख के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। अवैध रेत परिवहन के 02 प्रकरणों में कुल 57 हजार रुपये अर्थदण्ड की कार्रवाई की जाएगी। वहीं अवैध मुरुम उत्खनन से संबंधित प्रकरण में नियमानुसार आगे की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ऑपरेशन अंकुश में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा पर रायगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बर्तन दुकान में चल रहा था ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा, गेरवानी से दो आरोपी गिरफ्तार,एक फरार

रायगढ़/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में जिले में जुआ-सट्टा के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन अंकुश के तहत रायगढ़ पुलिस लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में थाना पूंजीपथरा और साइबर थाना की संयुक्त टीम को सूचना मिली कि ग्राम गेरवानी में एक बर्तन दुकान के भीतर मोबाइल फोन के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दबिश देकर दो आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ा। मौके पर आरोपी श्याम कुमार अग्रवाल अपने साथी सुरेश अग्रवाल के साथ मोबाइल फोन के जरिए रुपये-पैसों का हार-जीत आधारित ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाते मिला। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी श्याम कुमार अग्रवाल के कब्जे से तीन मोबाइल फोन और नगद 17,000 रुपये तथा आरोपी सुरेश अग्रवाल के कब्जे से एक मोबाइल फोन और 1,400 रुपये बरामद कर गवाहों के समक्ष जप्त किया। पूछताछ और मेमोरेण्डम कथन में आरोपी श्याम कुमार अग्रवाल ने बताया कि वह अपने साथी सुरेश अग्रवाल के साथ अलग-अलग स्थानों से मोबाइल फोन और बारकोड भुगतान प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करते थे। आरोपियों ने बताया कि सट्टे की राशि ग्राम गेरवानी निवासी खाईवाल रामफल अग्रवाल को नगद और डिजिटल भुगतान के जरिए पहुंचाई जाती थी। पुलिस टीम को देखकर रामफल अग्रवाल मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। थाना पूंजीपथरा में आरोपी श्याम कुमार अग्रवाल और सुरेश अग्रवाल के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 4 एवं 7 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपी1- श्याम कुमार अग्रवाल पिता स्वर्गीय बजरंग अग्रवाल, उम्र 43 वर्ष, निवासी ग्राम गेरवानी, जिला रायगढ़।2- सुरेश अग्रवाल पिता स्वर्गीय दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, उम्र 42 वर्ष, निवासी कृष्णा विहार कॉलोनी, रायगढ़।

फरार आरोपी -रामफल अग्रवाल, निवासी ग्राम गेरवानी, जिला रायगढ़। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी पूंजीपथरा निरीक्षक रामकिंकर यादव, थाना प्रभारी साइबर निरीक्षक विजय चेलक, सहायक उप निरीक्षक उमाशंकर विश्वाल, नंद कुमार सारथी, प्रधान आरक्षक गजेन्द्र पैंकरा, बृजलाल गुर्जर तथा आरक्षक प्रशांत पंडा, पुष्पेन्द्र जाटवार, हेमसागर पटेल और आदिकंद प्रधान की सराहनीय भूमिका रही। एसएसपी श्री शशि मोहन सिंह का सख्त संदेश– ÷रायगढ़ पुलिस ऑनलाइन और ऑफलाइन जुआ-सट्टा के विरुद्ध लगातार अभियान चला रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, मोबाइल एप या अन्य माध्यमों से अवैध सट्टा संचालित करने वाले, नेटवर्क से जुड़े सहयोगी और इसमें भाग लेने वाले सभी व्यक्तियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आमजन ऐसे अपराधों की सूचना पुलिस को देकर इस मुहिम में सहभागी बनें।÷

खरसिया में नाली निर्माण पर उठे सवाल, 15 मिनट की बारिश में बह गई 100 मीटर नाली

खरसिया/मूक पत्रिका

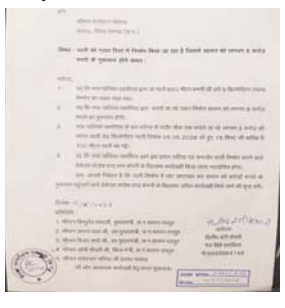

नगर पालिका खरसिया द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय निवासी दिलीप बंटी केशरी ने कलेक्टर रायगढ़ को शिकायत सौंपते हुए निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार और गुणवत्ता में लापरवाही का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, नगर पालिका क्षेत्र में जहां लगभग 850 मीटर नाली निर्माण प्रस्तावित था, वहीं करीब 5 किलोमीटर अतिरिक्त निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इससे शासन को लगभग 8 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है।

आरोप है कि बस स्टैंड से राठौर चौक तक लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही डेढ़ किलोमीटर लंबी नाली 5 मई 2026 को हुई महज 15 मिनट की बारिश में ही करीब 100 मीटर तक बह गई। घटना के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।शिकायत में ठेकेदार संतोष एण्ड संस कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा गया है कि घटिया और कमजोर निर्माण के कारण सरकारी राशि का दुरुपयोग हो रहा है। मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

पेंटर शिवकुमार निराला ने कलेक्टर को भेंट किया जिले का राजनीतिक और भौगोलिक मानचित्र

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ कलेक्ट्रेट में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम चकरदा निवासी पेंटर शिवकुमार निराला ने सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले अनूठा राजनीतिक, भौगोलिक मानचित्र को कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू को भेंट किया। उनकी इस अद्वितीय पेंटिंग कला प्रस्तुति ने कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बढ़ा दिया। पेंटर निराला द्वारा तैयार एक मानचित्र 3 माह में तैयार किया गया है, जिसमें कुल गांव, वीरान गांव, डेम, सड़क आदि स्पष्ट दिखाई दे रहा है। कलेक्टर ने इनके कलाकृति और सराहनीय कार्य का विस्तृत अवलोकन किया और उनके कार्य की तारीफ की।

पेंटर शिवकुमार निराला ने कलेक्टर को भेंट किया जिले का राजनीतिक और भौगोलिक मानचित्र

सारंगढ़ बिलाईगढ़। सारंगढ़ कलेक्ट्रेट में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम चकरदा निवासी पेंटर शिवकुमार निराला ने सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले अनूठा राजनीतिक, भौगोलिक मानचित्र को कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू को भेंट किया। उनकी इस अद्वितीय पेंटिंग कला प्रस्तुति ने कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बढ़ा दिया। पेंटर निराला द्वारा तैयार एक मानचित्र 3 माह में तैयार किया गया है, जिसमें कुल गांव, वीरान गांव, डेम, सड़क आदि स्पष्ट दिखाई दे रहा है। कलेक्टर ने इनके कलाकृति और सराहनीय कार्य का विस्तृत अवलोकन किया और उनके कार्य की तारीफ की।

मिरौनी बैराज में हादसा, सारंगढ़ निवासी 65 वर्षीय व्यक्ति की मौत

सारंगढ़/मूक पत्रिका

कोसीर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिघनपुर स्थित मिरौनी बैराज में मंगलवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक बुजुर्ग व्यक्ति की अचानक मौत हो गई। घटना के बाद बैराज क्षेत्र में अफरा - तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान भरत लाल देवागन (65 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 8 सारंगढ़ के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के मुताबिक प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है । हालांकि वास्तविक कारण का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। बताया जा रहा है कि - इन दिनों मिरौनी बैराज में हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए कोसीर पुलिस और प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की जा रही थी। हाल ही में प्रशासन ने बैराज क्षेत्र में डीजे बजाने और लापरवाहीपूर्ण गतिविधियों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी। घटना की सूचना मिलते ही कोसीर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। घटना के बाद बैराज क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है। प्रशासन और पुलिस ने एक बार फिर लोगों से अपील की है कि - पर्यटन, पिकनिक स्थलों पर सावधानी बरतें तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें।

प्रशासन सख्त, बीएनएसएस की धारा 163 के तहत कलेक्टर ने जारी की विस्तृत निषेधाज्ञा आदेश

पंचधारी एनीकट में नहाने, तैराकी, पिकनिक और सेल्फी पर पूर्ण प्रतिबंध

शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक प्रवेश बंद, उल्लंघन करने वालों पर होगी एफ्आईआर और कठोर कार्रवाई

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के पंचधारी एनीकट में लगातार सामने आ रही डूबने और जनहानि की दुखद घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मयंक चतुर्वेदी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के अंतर्गत विस्तृत निषेधाज्ञा जारी करते हुए पंचधारी एनीकट और उसके आसपास के क्षेत्रों में तैराकी, स्नान, पिकनिक, सेल्फी, वीडियोग्राफी तथा अन्य जोखिमपूर्ण गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। जारी आदेश में कहा गया है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जल संसाधन विभाग और स्थानीय प्रशासन द्वारा जिला प्रशासन को अवगत कराया गया कि हाल के दिनों में पंचधारी एनीकट क्षेत्र में कई दर्दनाक हादसे हुए हैं, जिनमें विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों की जान गई है। प्रशासन को प्राप्त तकनीकी एवं पुलिस रिपोर्ट में यह पता चलता है कि एनीकट की भौगोलिक संरचना अत्यंत खतरनाक है। यहां पानी का तेज बहाव, अचानक बढ़ती गहराई, काई लगी फिसलनयुक्त चट्टानें और पानी के भीतर छिपे पत्थर किसी भी जल गतिविधि को अत्यंत जोखिमपूर्ण बनाते हैं। जिला प्रशासन ने यह भी पाया कि चेतावनी बोर्ड और निर्देशों के बावजूद बड़ी संख्या में लोग प्रतिबंधित क्षेत्रों में समूह बनाकर पिकनिक मनाने, शराब एवं अन्य मादक पदार्थों का सेवन करने, नहाने तथा रील और सेल्फी बनाने के लिए पहुंच रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। मानव जीवन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए प्रशासन ने इन गतिविधियों पर सख्त रोक लगाने का निर्णय लिया है। जारी निषेधाज्ञा के अनुसार पंचधारी एनीकट के मुख्य जलभराव क्षेत्र, स्पिलवे, डाउनस्ट्रीम तथा आसपास के जलस्रोतों में तैरना, नहाना, कपड़े धोना, गोताखोरी करना अथवा किसी भी बहाने से पानी में उतरना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा एनीकट के किनारे, रिटेनिंग वॉल, गेट के आसपास तथा फिसलनयुक्त चट्टानों पर खड़े होकर सेल्फी लेना, वीडियोग्राफी करना, रील बनाना और फोटोग्राफी करना भी सख्ती से प्रतिबंधित किया गया है। इन स्थानों को प्रशासन ने 'नो गो जोन' घोषित किया है। निषेधाज्ञा में एनीकट से 500 मीटर की परिधि में शराब, गांजा अथवा किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों के सेवन और नशे की हालत में प्रवेश को पूरी तरह वर्जित किया गया है। सुरक्षा कारणों से शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक आम नागरिकों के लिए एनीकट एवं आसपास के सुनसान क्षेत्रों में प्रवेश पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन ने बिना अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रायगढ़ की पूर्व अनुमति क पंचधारी एनीकट परिसर में किसी भी प्रकार की सामूहिक पिकनिक, पार्टी, स्कूल या कॉलेज टूर के आयोजन पर भी रोक लगा दी है। निषेधाज्ञा के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को एनीकट के मुख्य प्रवेश मार्गों पर पुलिस चेक पोस्ट स्थापित करने तथा सप्ताहांत और अवकाश के दिनों में विशेष पेट्रोलिंग और फ्लाइंग स्क्वाड तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व एवं जल संसाधन विभाग को एनीकट के खतरनाक हिस्सों में बैरिकेडिंग और फेंसिंग कराने, बड़े बहुभाषी चेतावनी बोर्ड लगाने तथा जलस्तर बढ़ने की स्थिति में सायरन बजाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। वहीं शिक्षा विभाग को सभी स्कूलों और कॉलेजों को निर्देश जारी कर विद्यार्थियों को एनीकट की ओर जाने से रोकने तथा वहां किसी भी प्रकार का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित नहीं करने के निर्देश देने को कहा गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।